मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 11 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 11 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 328 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उत्सव है कांवड़ यात्रा

माधुरी दीक्षित के प्यार में पागल थे संजय दत्त ... ◂◂ 6

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का झारखंड बंद

रांची में सड़क से बाजार तक दिखा व्यापक असर

▸ झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प ▸ टायर जलाए, किया सड़क जाम

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में हुए छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में बीजेपी ने आज यानी 11 अगस्त को झारखंड बंद का आह्वान किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने बंद की घोषणा की। बंद को देखते हुए राजधानी रांची में संवेदनशील इलाकों और प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

राजधानी रांची के अलावा झारखंड के विभिन्न जिलों से भी बंद के असर की खबरें सामने आ रही हैं। कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ता बाजार बंद कराने और विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरे हैं। कई इलाकों में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए दुकानदारों से प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की। वहीं, प्रशासन की ओर से लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की गई है। भाजपा ने यह बंद मुख्य रूप से जेपीएससी- जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और छात्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुलाया है। बंद के दौरान प्रशासन की नजर संवेदनशील इलाकों और प्रमुख बाजारों पर बनी हुई है।

बंद के समर्थन में सुबह से सड़कों पर उतरे भाजपा कार्यकर्ताः बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता सुबह से ही रांची के अलग-अलग इलाकों में सड़कों पर उतर गए। हाथों में पार्टी के झंडे और बैनर लेकर कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की। वहीं, कुछ जगहों पर बंद समर्थकों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। टायर जलाए जाने के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मंगलवार को रांची में विधानसभा मार्च निकाला। बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता मार्च करते हुए पुराने विधानसभा परिसर के पास पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई का विरोध किया।

विधानसभा मार्च को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। जैसे ही एबीवीपी कार्यकर्ता पुराने विधानसभा के पास पहुंचे, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच इस दौरान हल्की झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के बाद पुलिस ने मार्च में शामिल सभी छात्रों को हिरासत में ले लिया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और पुलिस कार्रवाई की जांच कराने की मांग की।

सरकार सच्चाई को लाठी डंडो से छुपाना चाहती है: बाबूलाल मरांडी झारखंड में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा, सरकार सच्चाई को लाठी डंडो से छुपाना चाहती है। बच्चों की एक ही मांग है कि सीबीआई जांच कराओ। जो दोषी होंगे पकड़े जाएंगे। जो दोषी नहीं होंगे वे छूट जाएंगे। सरकार अपनी हठ पर अड़ी है कि बच्चों की मांग को मानने के लिए तैयार नहीं है। बच्चों के आवाज को लाठी डंडे से दबाना चाहती है। लाठी डंडे से किसी की आवाज नहीं दबती है। आवाज और बढ़ेगी। आंदोलन झारखंड के गांव-गांव तक पहुंचेगा।

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का चौथा दिन

भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर किया प्रदर्शन, 8399 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित

संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का मंगलवार को चौथा दिन है। भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर और अंदर प्रदर्शन किया और हेमंत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इसके बाद सदन की कार्रवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इधर, सोमवार को सदन की कार्यवाही विपक्ष की गैर मौजूदगी में हुई। इस दौरान प्रश्नकाल में सदन से अनुपस्थित रहने वाले विधायकों पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने नाराजगी जताई।

स्पीकर ने कहा कि सवाल कर सदन में नहीं आना संसदीय ?व्यवस्था में अच्छी परंपरा नहीं है। स्पीकर ने तय समय पर सदन की कार्यवाही शुरू की। भोजना अवकाश के बाद से चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 का 8,399 करोड़ 31लाख 11 हजार का अनुपूरक बजट पारित हुआ।

अनुपूरक बजट पर हुए वाद-विवाद?का जवाब देते हुए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ष 2024 से प्रारंभ की गई मईयां सम्मान योजना ने राज्य और प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने में महत्वपूर्ण ?योगदान दिया है। इस योजना के चालू होने के बाद झारखंड का औसत विकास दर करीब 7.02% रहा। प्रति व्यक्ति आय वर्तमान मूल्य पर 1,16,663 रुपए हो गई है।

इधर, ध्यानाकर्ष में विधायकों को आवास बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने के संबंध में सरकार द्वारा दिए गए जवाब पर मंत्री राधाकृष्ण ने नाराजगी जतायी। कहा- वे खुद सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि यह विधायकों के गृह निर्माण का मामला है।

एक साथ एक जगह पर जमीन नहीं मिल रही है। नगड़ी, नामकुम, रातू, ओरमांझी में अंचल कार्यालय की ओर से जमीन चिह्नित कर उपलब्ध कराया गया है। इसे गृह निमार्ण के लिए बनी सहकारिता समिति को बताया गया है। समिति की अनुमति मिलने के बाद जमीन उपलब्ध करा दी जाएगी।

कोल्हान में नक्सलवाद को बड़ा झटका

10 लाख के इनामी जोनल कमांडर सलुका कायम समेत चार नक्सलियों ने डाले हथियार

संवाददाता

चाईबासा / सरायकेला: झारखंड में कमजोर पड़ चुका नक्सलवाद अब अपने अंतिम दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। हाल के दिनों में बड़े इनामी नक्सलियों की गिरफ्तारी के बाद अब संगठन से जुड़े नक्सली भी मुख्यधारा में लौटने का रास्ता चुन रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को कोल्हान पुलिस मुख्यालय में चार हार्डकोर नक्सलियों ने झारखंड सरकार की उग्रवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के समक्ष हथियार डाल दिया।

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के महाविनाशकारी भूकंप से 132 लोगों की मौत, मलबे में तब्दील हुए 1500 से ज्यादा घर

भोगोटा : पश्चिमी कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस विनाशकारी प्राकृतिक आपदा में अब तक 132 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 570 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हालात की गंभीरता और मची चीख-पुकार को देखते हुए कोलंबियाई सरकार ने देश में राष्ट्रीय आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य जारी हैं।

भारी तबाही का मंजर, बुनियादी ढांचे को पहुंचा बड़ा नुकसानः कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस भीषण झटके के कारण 1,575 घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा छह प्रमुख हवाई

अड्डों का बुनियादी ढांचा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके चलते वहां वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन फिलहाल पूरी तरह से रोक दिया गया है। कोलंबियन जियोलॉजिकल सर्विस के अनुसार, यह भयानक भूकंप सुबह 7:34 बजे आया था, जिसका केंद्र चोको डिपार्टमेंट के सैन होस डेल पाल्मार के पास 96 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। सरकार प्रभावित इलाकों के स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है ताकि नुकसान का सटीक आकलन किया जा सके और सबसे जरूरी राहत सामग्री तुरंत पहुंचाई जा सके।

संकट की इस घड़ी में दुनिया भर के नेताओं ने बढ़ाया मदद का हाथ : कोलंबिया पर आई इस भारी विपत्ति के समय पूरा विश्व उसके साथ खड़ा नजर आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और समर्थन पर पूरा भरोसा कर सकता है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी दुनिया भर के लोगों से मदद के लिए आगे आने की अपील करते हुए अपनी एकजुटता दिखाई है। इसके अलावा इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी इस विनाशकारी भूकंप पर दुख जताते हुए कहा कि इटली इस मुश्किल घड़ी में कोलंबिया के लोगों, प्रभावित परिवारों और बचाव कार्यों में जुटे सभी कर्मियों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।

पलामू में मालगाड़ी के 12 डिब्बे बेपटरी मौके पर पहुंची रेलवे अधिकारियों की टीम

पलामूः जिले के गढ़वा रोड और सिगसिगी रेलवे स्टेशन के बीच मालगाड़ी के 12 बोगी बेपटरी हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे के वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और पूरे हालात का जायजा ले रहे हैं। दुर्घटना के बाद फिलहाल रेलवे के रिवर्सिबल लाइन पर परिचालन बंद है। अप और डाउन लाइन पर परिचालन सामान्य है।

धनबाद और पं डीडी उपाध्याय डिवीजन के बीच हुई घटनाः जिस इलाके में यह दुर्घटना हुई है, वह इलाका धनबाद रेल डिवीजन और पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेल डिवीजन का बॉर्डर है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर अनिल तिवारी ने घटना की पुष्टि की है। दरअसल मालगाड़ी पलामू के इलाके से होते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेल डिवीजन की तरफ जा रही थी। इस दौरान मंगलवार को अचानक मालगाड़ी बेपटरी हो गई है।

हालांकि इस दुर्घटना को लेकर खबर लिखे जाने तक यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित नही हुआ है। मालगाड़ी का परिचालन प्रभावित हुआ है। मालगाड़ी को पटरी पर वापस लाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले भी गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन के इलाके में मालगाड़ी पटरी से उतर गई थी।

रेलवे कर्मियों की वरिष्ठता मामला : कैट का आदेश हाईकोर्ट ने किया रद्द, केस दोबारा ट्रिब्यूनल को भेजा

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रेलवे के टिकट परीक्षक (टीई/टीसी) कर्मचारियों की वरिष्ठता से जुड़े मामले में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के आदेश को रद्द कर दिया है। वहीं मामला दोबारा विचार के लिए ट्रिब्यूनल को वापस भेज दिया है। दरअसल रेलवे ने कैट, पटना बेंच की रांची सर्किट बेंच द्वारा 17 दिसंबर 2025 को पारित आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

क्या है मामला : रेलवे बोर्ड ने 22 फरवरी 2018 को आरबीई नं. 28/2018 जारी कर वाणिज्यिक विभाग की तीन श्रेणियों सीसी,टीसी और ईसीआरसी को चरणबद्ध तरीके से एकीकृत कर कॉर्शियल टिकट स्टाफ का संयुक्त कैडर बनाने का निर्णय लिया था।

इसके बाद 5 अप्रैल 2019 को आरबीई नं. 59/2019 के जरिए स्पष्ट किया गया कि 22 फरवरी 2018 तक कार्यरत कर्मचारियों की वरिष्ठता अलग-अलग रखी जाएगी. जबकि भविष्य में सीधी भर्ती से आने वाले कर्मचारियों के लिए संयुक्त वरिष्ठता लागू होगी।

मामले में शामिल कर्मचारी 22 फरवरी 2018 से पहले रेलवे के विभिन्न डिवीजनों में टिकट परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे. बाद में वर्ष 2022 में उन्होंने अपनी इच्छा से इंटर-डिवीजन ट्रांसफर लेकर धनबाद डिवीजन में योगदान दिया. रेलवे ने उन्हें डायरेक्ट रिक्रूटमेंट कोटे की रिक्तियों के विरुद्ध स्थानांतरित मानते हुए संयुक्त कैडर की वरिष्ठता सूची में शामिल कर दिया।

धनबाद डिवीजन ने 9 फरवरी 2023 को संयुक्त वरिष्ठता सूची जारी की। इससे असंतुष्ट कर्मचारियों ने कैट में याचिका दायर की। कैट ने 17 दिसंबर 2025 को वरिष्ठता सूची रद्द करते हुए संबंधित कर्मचारियों के लिए अलग वरिष्ठता सूची जारी करने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने क्या कहाः हाईकोर्ट ने कहा कि 8 फरवरी 2023 को रेलवे के महाप्रबंधक, हाजीपुर की ओर से जारी स्पष्टीकरण में साफ किया गया था कि 22 फरवरी 2018 के बाद अपनी इच्छा से दूसरे डिवीजन में स्थानांतरित होकर आने वाले कर्मचारियों की वरिष्ठता यूनिफाइड/मर्ज्ड कैडर में निर्धारित की जाएगी। खंडपीठ ने माना कि संबंधित कर्मचारी 22 फरवरी 2018 के बाद अपनी इच्छा से धनबाद डिवीजन में स्थानांतरित होकर आए थे, इसलिए उनकी वरिष्ठता संयुक्त कैडर में रखना रेलवे के 8 फरवरी 2023 के स्पष्टीकरण के अनुरूप था। ऐसे में 9 फरवरी 2023 की वरिष्ठता सूची को रद्द करने का कैट का फैसला उचित नहीं था. कोर्ट ने रेलवे की रिट याचिका को निष्पादित कर दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

पीएम श्री कस्तूरबा का शैक्षणिक भ्रमण

मुरी : चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के ज्ञानवर्धक अनुभव के साथ पीए श्री कस्तूरबा बालिका विद्यालय के छात्र- छात्राएं सिल्ली पहुंचे। चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण में राष्ट्रीय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (नाइसर), जनजातीय क्षेत्रीय प्राकृतिक इतिहास संस्थान, क्षेत्रिय जनजाति विकास संस्थान, उदयगिरि गुफाएं, चन्द्रभागा समुद्र तट, विश्व प्रसिद्ध कोणार्क मंदिर के विज्ञान, इतिहास, सांस्कृतिक और प्राकृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विद्यालय के वार्डेन सह शिक्षिका चन्द्रिका कुमारी,अनामिका लकड़ा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

राहे,सोनाहातु में देशव्यापी जेल भरो आन्दोलन

मुरी : 10 अगस्त 2026 को संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियन मोर्चा के देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन के तत्वावधान में झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा राजपथ राहे में ढाई घंटा एवं सोनाहातु में 3 घंटे रास्ता रोको के माध्यम से 163 किसानों ने दी गिरफ्तारी , तथा राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार भारतीय किसानों को बबार्दी के कगार पर खड़ा कर देगा, एम एस पी की कानूनी गारंटी देने में मोदी सरकार बिफल हैं, नतीजा के तौर पर देश में अन्नदाता किसान आत्महत्याएं लगातर बढ़ रही है, पेपर लीक एवं नौकरी बेचने के खिलाफ छात्रों आंदोलन के मांगें पूरा करें सरकार,17 अगस्त को देश के विधायक/ सांसदों/ मंत्रीओ तथा विपक्ष के नेता को ज्ञापन ,3 अक्टूबर लखिनपुर गिरी शहादत दिवस पर हर गांवों में किसान पंचायत तथा 26 नवंबर बड़े किसान आन्दोलन का शुरूआत होंगा। इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान कौंसिल सदस्य उमेश महतो, जयपाल सिंह मुंडा,बिसमबर महतो, जनवादी महिला समिति के जिला अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद सदस्य रंगोवती देवी,जिला सचिव रतन महतो,जिला किसान कोंसिल सदस्य शोभाराम महतो, प्रेम चंद पातर,घुरन पातर, पांडू राम मुंडा, हरिश्चंद्र प्रमाणिक,बसंत मुंडा,करमी देवी, उर्जला कुमारी,सोमा मुंडा,कनक मुंडा, जगन्नाथ मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा,जीतू महतो, नारायण महतो, रामसिंह लोहरा,सांकरा महतो,,महरूम महतो,बलराम महली,हिनदु पाहान, कृष्ण मुंडा, रूपचन्द्र महतो, विश्वनाथ कुम्हार, उपेन्द्र बडाईक,अशोक महतो,कलेवर मुंडा,सुनील महतो, भोंदू मुंडा,सुबोध महतो,दुर्गाचरण महतो सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे। भारत - अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो,बीज और बिजली विधेयक रद्द करो,4 लेबर कोड रद्द करो, किसानों के फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी करना होगा, झारखंड में हाथियों के आतंक से निजात दिलाओ,पेपर लीक एवं नौकरी बेचने पर रोक लगाओ, झारखंड में चल रहे छात्र आन्दोलन के मागे पूरा करो, दिल्ली छात्र आन्दोलन पर बर्बर लाठीचार्ज की न्यायिक जांच करो एवं झूठे मुकदमे वापस लो, मनरेगा पुनः बहाल करो, सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी,नीजीकरण , पलायन - विस्थापन पर रोक लगाओ, जबरन जमीन अधिग्रहण पर रोक लगाओ,सभी के लिए खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य की गारंटी करो, आदि नारे लग रहे थे।

पाकुड़ में बीजेपी कार्यकर्ता हिरासत में

पाकुड़ : जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी और रांची में आंदोलनरत अभ्यर्थियों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को पाकुड़ के बिरसा चौक पर जोरदार धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुरुष व महिला कार्यकर्ताओं ने पाकुड़-हिरणपुर मुख्य मार्ग को पूरी तरह बाधित कर दिया, जिससे करीब 4 घंटे तक आवागमन ठप रहा और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर डटे कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जाम की सूचना मिलते ही एसडीपीओ कुमार गौरव, नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता और मालपहाड़ी ओपी प्रभारी राहुल कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और धरना समाप्त कराने की अपील की, लेकिन कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। अंततः यात्रियों की समस्या को देखते हुए नगर थाना पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस वैन से थाने पहुंचाया, जिसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। प्रदर्शन में शामिल अनुग्रहित प्रसाद, हिसाबी राय, रूपेश कुमार भगत, अमृत पांडे, सोमित चौबे, अनिकेत गोस्वामी, मीरा पांडे, प्राची चौधरी, पार्वती देवी, धर्मेंद्र त्रिवेदी, सुशांत घोष, विवेकानंद तिवारी, दीपक साहा और पंकज साहा सहित अन्य नेताओं ने कहा कि यह हेमंत सरकार पूरी तरह छात्र विरोधी और तानाशाह है, जो नौकरी बेचने का काम कर रही है, यदि सरकार ने छात्रों पर लाठियां बरसाना बंद नहीं किया, तो आंदोलन और उग्र होगा।

धनबाद के कतरास में बंद का मिला-जुला देखने को मिला जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं और अभ्यर्थियों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा बुलाए गए 'झारखंड बंद' का असर धनबाद के कतरास क्षेत्र में मिला-जुला देखने को मिला। सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए, हालांकि आम जनजीवन पर इसका कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। कतरास भाजपा मंडल के दर्जनों कार्यकर्ता सुबह लगभग 11 बजे बाजारों और मुख्य सड़कों पर निकले। कार्यकर्ताओं ने बाजार में घूम-घूमकर दुकानदारों से बंद का समर्थन करने और अपने प्रतिष्ठान बंद रखने का आग्रह किया। इस दौरान भाजपाइयों ने हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं की अपील पर दुकानदारों ने कुछ देर के लिए अपनी दुकानें बंद जरूर कीं, लेकिन उनके आगे बढ़ते ही दुकानें पुनः खुल गईं। मुख्य बाजार क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां सामान्य रूप से चलती रहीं।

झारखंड बंद का लोहरदगा में व्यापक असर छात्रों और भाजपा नेताओं ने किया प्रदर्शन

जाम से सड़कों के दोनों ओर वाहनों की लगी लंबी कतारें

बॉक्साइट ढुलाई बंद रहने से ठप रहीं खनन एवं परिवहन गतिविधियां

संवाददाता

लोहरदगा : रांची में विधानसभा घेराव के दौरान विद्यार्थियों पर हुए लाठीचार्ज की गूंज मंगलवार को लोहरदगा की सड़कों पर भी सुनाई दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आह्वान पर झारखंड बंद के समर्थन में भाजपा कार्यकर्ता लोहरदगा शहर में सड़क पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर आवागमन रोक दिया और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों की आवाज दबाने के लिए लाठी का सहारा लेना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बरवाटोली चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर टायर जलाकर बैठ गए। भाजपाइयों के सड़क पर बैठते ही यातायात की रफ्तार थम गई। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बंद समर्थक कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का झंडा लिए सरकार विरोधी नारे लगाते रहे। इसके बाद पावरगंज चौक फिर रेलवे साइडिंग में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर विधानसभा घेराव करने पहुंचे विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हन है।

सुबह से ही आंदोलनकारी छात्र, छात्राएं एवं भाजपा कार्यकर्ता शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जुटने लगे। आंदोलनकारियों ने कई स्थानों पर टायर जलाकर बंद का समर्थन करने की अपील की तथा राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान रांची में विधानसभा घेराव के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया गया।

बंद के दौरान आंदोलनकारियों ने आवश्यक सेवाओं को छूट दी। स्कूली बसों, एंबुलेंस, दूध आपूर्ति तथा अन्य जरूरी सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया, जिससे आम लोगों को आवश्यक सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। हालांकि बाजार, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और यातायात पर बंद का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला।

झारखंड बंद को देखते हुए लोहरदगा पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जिले के प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील क्षेत्रों और बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार गश्ती कर स्थिति पर नजर रखी जा रही थी। प्रशासन की सक्रियता के कारण जिले में बंद शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होता दिखा और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

बंद के कारण राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर लंबी दूरी की वाहनों की कतारें देखने को मिलीं। कई मालवाहक वाहन सड़क किनारे खड़े रहे। जिले में संचालित बॉक्साइट परिवहन भी पूरी तरह प्रभावित रहा। बॉक्साइट ढुलाई बंद रहने से खनन एवं परिवहन गतिविधियां ठप रहीं, जिससे सरकार को राजस्व नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पारदर्शिता की मांग तथा छात्रों के अधिकारों को लेकर आंदोलन जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज सुनने के बजाय दमनात्मक कार्रवाई कर रही है। नेताओं ने कहा कि यदि सरकार छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर न्याय नहीं देती है तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य में आंदोलन जारी रहेगा। भाजपा नेताओं ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले छात्रों पर बल प्रयोग दुर्भाग्यपूर्ण है।

बोकारो में मुख्य सड़क पर भाजपा का प्रदर्शन, वाहनों की लगी लंबी कतार

संवाददाता

बोकारो : जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ भाजपा द्वारा आहूत झारखंड बंद का असर मंगलवार को बोकारो जिले में भी देखने को मिला

बंद के समर्थन में भाजपाः कार्यकर्ताओं ने बोकारो के प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।बोकारो रेलवे स्टेशन की ओर से आने वाली मुख्य सड़क पर नया मोड़ के समीप भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शन के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित रही, जबकि दोपहिया वाहन धीरे-धीरे निकलते नजर आए।

सड़क पर प्रदर्शनकारियों के बैठ जाने से वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ता संजय त्यागी, जयदेव राय, अमर स्वर्णकार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की भाजपा नेताओं ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस कथित दमनकारी नीति को भाजपा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।बंद के कारण शहर के कुछ इलाकों में दुकानें भी बंद रहीं। मुख्य मार्ग पर प्रदर्शन के चलते सामान्य यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आवागमन में परेशानी हुई।

गिरिडीह में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बंद कराया बाजार

संवाददाता

गिरीडीह : रांची में छात्र आंदोलन के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में बीजेपी ने मंगलवार को झारखंड बंद का आह्वान किया है जिसका मिला जुला असर गिरिडीह में देखने को मिल रहा है। बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत राय के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर उतर गए। कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न इलाकों में घूमकर दुकानदारों से प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की और बाजार को बंद कराया

भाजपा कार्यकर्ताओं का जत्था गिरिडीह बस स्टैंड भी पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने बसों को रोककर परिचालन प्रभावित किया। इसके बाद कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए टावर चौक पहुंचे और सड़क पर बैठकर आवागमन बाधित कर दिया।

सड़क पर कार्यकर्ताओं के बैठने से कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा।बंद समर्थकों ने रांची में छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

पार्टी के कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर उतरः बंद के दौरान शहर के प्रमुख बाजारों में कई दुकानें बंद रहीं। हालांकि, कुछ इलाकों में दुकानें सामान्य रूप से खुली भी नजर आईं। वहीं, गिरिडीह के कुछ स्कूलों ने बंद के समर्थन में स्वेच्छा से अपने संस्थान बंद रखने का निर्णय लिया।

स्कूल पहुंचे कुछ बच्चों को वापस घर भेज दिया गया, जबकि बोर्ड परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा व्यवस्था प्रभावित नहीं होने दी गई।बंद के दौरान प्रशासन और पुलिस की टीम भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए रही।

प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई थी, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।कुल मिलाकर गिरिडीह में भाजपा के बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। कई बाजार और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि कुछ क्षेत्रों में सामान्य गतिविधियां जारी रहीं।

झारखंड आदिवासी महोत्सव में सिनेमा की बारीकियों पर हुई चर्चा

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की ओर से आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को मोरहाबादी मैदान स्थित वीर बुधु भगत सभागार में लघु एवं एनिमेशन फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ फिल्म निर्माण पर विशेष पैनल डिस्कशन और मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड में फिल्म निर्माण की संभावनाओं, तकनीकी प्रशिक्षण, स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने और राज्य की अपनी सिनेमाई पहचान विकसित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा कि झारखंड के सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत उसकी अपनी मिट्टी, भाषाएं, संस्कृति, लोककथाएं और कहानियां हैं।

फिल्म स्क्रीनिंग के साथ मास्टरक्लास और पैनल डिस्कशन : फिल्म स्क्रीनिंग के साथ आयोजित मास्टरक्लास और पैनल डिस्कशन ने युवा फिल्मकारों, विद्यार्थियों और सिनेमा में रुचि रखने वाले दर्शकों को फिल्म निर्माण के रचनात्मक और तकनीकी पक्षों को करीब से समझने का अवसर दिया।

पैनल में सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट के हेड इंद्रनील मुखर्जी, सुदीप्तो भट्टाचार्य और फिल्म निर्देशक निरंजन कुजूर शामिल रहे। तीनों विशेषज्ञों ने फिल्म निर्माण से जुड़े विभिन्न रचनात्मक पक्षों, प्रोडक्शन, निर्देशन और एडिटिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कल्याणी खत्री ने पूछे फिल्म निर्माण से जुड़े सवालः कल्याणी खत्री ने पैनलिस्टों से फिल्म निर्माण की प्रक्रिया से जुड़े कई व्यावहारिक और तकनीकी सवाल पूछे। चर्चा के दौरान यह जानने की कोशिश की गई कि झारखंड में फिल्म निर्माण की शुरूआत कैसे की जाए, कहानी का चुनाव किस आधार पर हो और क्या बिना औपचारिक प्रशिक्षण के भी फिल्म बनाई जा सकती है।

इसके अलावा प्रकाश और प्राकृतिक रोशनी के इस्तेमाल, अभिनय में भावनाओं की सीमा तय करने, अभिनेता और निर्देशक के बीच रचनात्मक तालमेल विकसित करने तथा ओटीटी और फीचर फिल्मों की एडिटिंग में अंतर जैसे विषयों पर भी सवाल किए गए। पैनलिस्टों ने अपने अनुभवों के आधार पर इन सवालों के जवाब दिए और फिल्म निर्माण को लेकर दर्शकों की जिज्ञासाओं को दूर किया।

फिल्म बनाने के लिए प्रशिक्षण से ज्यादा जरूरी है अपनी कहानी और दृष्टिः फिल्म निर्माण में प्रशिक्षण की भूमिका पर चर्चा करते हुए सुदीप्तो भट्टाचार्य ने कहा कि फिल्म बनाने के लिए हमेशा औपचारिक प्रशिक्षण जरूरी नहीं है। बिना संस्थागत प्रशिक्षण के भी अच्छी फिल्म बनाई जा सकती है, लेकिन इसके लिए स्पष्ट सोच और अपनी कहानी को समझने की क्षमता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई फिल्मकार हैं, जिन्होंने औपचारिक रूप से फिल्म निर्माण की ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन उनकी डॉक्यूमेंट्री और फिल्मों में जीवन को देखने की गहरी दृष्टि दिखाई देती है। उनके अनुसार, प्रशिक्षण तकनीकी दक्षता बढ़ाता है, लेकिन फिल्मकार की संवेदना, दृष्टि और कहानी कहने की क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है।

प्राकृतिक रोशनी से लेकर एलईडी तक बदली फिल्म निर्माण की दुनियाः फिल्मों में लाइटिंग के इस्तेमाल को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पैनलिस्टों ने कहा कि किसी दृश्य में प्राकृतिक प्रकाश का इस्तेमाल करना है या कृत्रिम रोशनी का, यह कहानी, दृश्य और निर्देशक की रचनात्मक जरूरत पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक प्रकाश की अपनी खूबसूरती और स्वाभाविकता है। इसलिए कई फिल्मकार आज भी कहानी की जरूरत के अनुसार प्राकृतिक

रोशनी को प्राथमिकता देते हैं।

चर्चा में यह बात सामने आई कि तकनीक केवल एक साधन है, जबकि किसी दृश्य को प्रभावशाली बनाने का निर्णय फिल्मकार की दृष्टि करती है।

भावनाओं का संतुलन सिनेमा की बड़ी चुनौतीः फिल्म में भावनात्मक दृश्यों को लेकर कल्याणी खत्री के सवाल पर पैनलिस्टों ने इसे पाककला से जोड़कर समझाया। उनका कहना था कि जिस तरह भोजन में यह समझना जरूरी है कि कौन-सा मसाला कितना और किस समय डालना है, उसी तरह सिनेमा में भी यह समझना जरूरी है कि किसी दृश्य में भावनाओं की मात्रा कितनी होनी चाहिए और कहां उसे रोक देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फिल्म में इमोशन केवल अभिनेता के अभिनय से पैदा नहीं होता। निर्देशन, एडिटिंग, कलर, साउंड, म्यूजिक और दर्शक की मनोदशा मिलकर किसी दृश्य के भावनात्मक प्रभाव को तय करते हैं। दर्शक को भावनाओं से जोड़ना जरूरी है, लेकिन भावनाओं की अति फिल्म को बोझिल भी बना सकती है।

अपनी मिट्टी की महक वाली कहानियां लिखना चाहता हूंः फिल्म की कहानी और स्क्रिप्ट के चयन को लेकर पूछे गए सवाल पर फिल्म निर्देशक निरंजन कुजूर ने कहा कि उनके लिए कहानी का सबसे महत्वपूर्ण आधार वह चीज है, जो उन्हें भीतर से प्रभावित करती है। झारखंड की संस्कृति, समाज और अपनी जमीन से जुड़े अनुभव उन्हें कहानी लिखने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि वह ऐसी कहानियां लिखना और प्रोड्यूस करना पसंद करते हैं, जिनमें अपनी संस्कृति और मिट्टी की महक हो। कुरुख जैसी क्षेत्रीय भाषाओं और आदिवासी जीवन से जुड़े विषयों को सिनेमा में स्थान देना उनके रचनात्मक काम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के अवसरों ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया, लेकिन वापस लौटकर उन्होंने अपनी जमीन और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी कहानियों पर काम करने को प्राथमिकता दी। अभिनेता और निर्देशक के बीच समझ से बेहतर होता है अभिनयः अभिनेता के मूड और उसकी क्षमता को निर्देशक किस तरह समझता है, इस सवाल पर पैनलिस्टों ने कहा कि यह एक दिन में विकसित होने वाली प्रक्रिया नहीं है। इसकी शुरूआत कास्टिंग के समय से ही हो जाती है। अभिनेता की ऊर्जा, उसकी अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व को देखकर निर्देशक यह समझने की कोशिश करता है कि किस भूमिका और परिस्थिति में उससे बेहतर काम लिया जा सकता है। शूटिंग के दौरान लगातार संवाद और साथ काम करने से अभिनेता और निर्देशक के बीच रचनात्मक समझ विकसित होती है।

यही तालमेल अभिनय को अधिक सहज और प्रभावी बनाता है।

ओटीटी और फीचर फिल्मों की एडिटिंग अलगः ओटीटी और फीचर फिल्मों की एडिटिंग के अंतर पर चर्चा करते हुए पैनलिस्टों ने बताया कि दोनों माध्यमों की अपनी अलग जरूरतें हैं। ओटीटी में दर्शक का ध्यान लगातार बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है। इसलिए कट, साउंड, म्यूजिक और अन्य तकनीकी प्रभावों का इस्तेमाल अपेक्षाकृत अलग तरीके से किया जाता है।

वहीं फीचर फिल्म में दर्शक लंबे समय तक एक निरंतर सिनेमाई अनुभव का हिस्सा बना रहता है। इसलिए उसमें कहानी, अभिनय, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड और म्यूजिक को एक समग्र अनुभव के रूप में विकसित किया जाता है।

वक्ताओं के अनुसार, ओटीटी और फीचर फिल्मों के लिए स्क्रिप्टिंग से लेकर एडिटिंग और साउंड डिजाइन तक की पूरी रचनात्मक प्रक्रिया में अंतर होता है।

बदलते सिनेमा में समाज की बदलती तस्वीरः फिल्मों और ओटीटी में बढ़ती अश्लीलता, हिंसा और आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। पैनलिस्टों ने कहा कि सिनेमा को समाज का आईना माना जाता है और समाज में होने वाले बदलावों का प्रभाव फिल्मों पर भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के विस्तार के साथ अभिव्यक्ति का दायरा बढ़ा है और दर्शकों की पसंद भी बदली है। वहीं महिलाओं की बदलती सामाजिक भूमिका और फेमिनिज्म के प्रभाव ने भी फिल्मों की विषयवस्तु को प्रभावित किया है। इन बदलावों को केवल मनोरंजन के नजरिये से देखने के बजाय समाज की बदलती मानसिकता और संबंधों के प्रतिबिंब के रूप में भी समझने की जरूरत है।

क्षेत्रीय भाषाएं बन सकती हैं झारखंडी सिनेमा की ताकतः पैनल में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि झारखंड की क्षेत्रीय भाषाएं, लोककथाएं, आदिवासी जीवन, प्रकृति, इतिहास और समकालीन सामाजिक सरोकार यहां के सिनेमा को देश के अन्य हिस्सों से अलग पहचान दे सकते हैं। स्थानीय भाषाओं में फिल्म निर्माण से न केवल सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होगा, बल्कि स्थानीय लेखकों, कलाकारों, निर्देशकों, निमार्ताओं, संपादकों और तकनीशियनों के लिए रोजगार और रचनात्मक अवसर भी बढ़ेंगे। पैनलिस्टों ने कहा कि झारखंड को यदि एक मजबूत फिल्म हब के रूप में विकसित करना है तो स्थानीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन, वित्तीय सहयोग और अपनी फिल्मों को प्रदर्शित करने के अवसर देने होंगे।

अपनी मिट्टी और कहानियों को सिनेमा की भाषा देने की जरूरतः कार्यक्रम में हुई चर्चा का मूल संदेश स्पष्ट रहा कि झारखंड के सिनेमा को अपनी पहचान बाहर से आयात करने की जरूरत नहीं है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी अपनी मिट्टी, भाषाएं, संस्कृति और कहानियां हैं। जरूरत इन कहानियों को कैमरे की नजर और सिनेमा की भाषा देने की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यही प्रयास झारखंड को देश के प्रमुख फिल्म निर्माण केंद्रों में एक विशिष्ट पहचान दिला सकता है।

सदन में बोले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

छात्र आंदोलन की आड़ में राजनीति कर रहा विपक्ष, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा की कार्यवाही स्पीकर ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। वहीं इससे पहले झारखंड विधानसभा में मंगलवार को छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। विपक्ष के विधायक सरकार के खिलाफ नारे लगाते रहे और छात्रों पर कार्रवाई को लेकर जवाब मांगते रहे। इसी बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला।

सीएम हेमंत सोरेन ने विपक्ष को परजीवी बताते हुए कहा कि उसका अपना कोई रस नहीं बचा है और अब वह छात्रों की आड़ में अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने विपक्ष के हंगामे पर तंज कसते हुए कहा कि भैंस के सामने बीन बजाने से कोई फायदा नहीं है। सरकार अपना

काम करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष पहले भगवा वस्त्र और अब छात्रों का चोला ओढ़कर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहा है। उन्होंने विपक्ष पर छात्रों को भड़काने और राज्य के विकास में बाधा डालने का भी आरोप लगाया।

जेपीएससी और दूसरी परीक्षाओं को लेकर सीएम ने कहा कि सरकार ठीडीपीएल से जुड़ी सभी परीक्षाओं की जांच कराने के लिए तैयार है और जांच चल भी रही है। उन्होंने ठीडीपीएल को लेकर आरोप लगाया कि यह लखनऊ की कंपनी है और यूपी-बिहार के लोगों के साथ मिलकर झारखंड के युवाओं को ठगने का काम कर रही है। सीएम ने कहा कि सरकार छात्रों के हित में कई परीक्षाओं को रद्द करने और उनकी जांच कराने का फैसला ले चुकी है। उन्होंने दावा किया कि छात्र आंदोलन से जुड़े लोग भी सरकार के रिफॉर्म्स से सहमत हैं। भविष्य में परीक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आईआईटी, आईआईएम एक्सएलआरआई जैसे संस्थानों से सलाह ली जा रही है।

अपने भाषण में हेमंत सोरेन ने भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन्होंने 70 साल तक तिरंगा नहीं उठाया, वे आज तिरंगा लेकर देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष को व्यापारियों की जमात बताते हुए आरोप लगाया कि उनके पास नोटों के बंडल हैं और वे धनबल के जरिए लोकतंत्र को खरीदना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने संवैधानिक संस्थाओं और गोदी मीडिया के इस्तेमाल को लेकर भी विपक्ष पर आरोप लगाए। वहीं छात्रों के आंदोलन के दौरान स्थिति संभालने के लिए उन्होंने प्रशासन और पुलिस के धैर्य की तारीफ की।

भाषण के अंत में सीएम हेमंत सोरेन ने कवि भूखनाथ पांडे की व्यंग्य कविता गिरोह भी सदन में पढ़ी। कविता के जरिए उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, इतना गिरो कि गुरुत्वाकर्षण बल भी शर्म के मारे गिर पड़े। उन्होंने रुपये, चरित्र, गर्व, बेशर्मी और बेदर्दी के साथ गिरने का जिक्र करते हुए विपक्ष पर कटाक्ष किया। सीएम ने कहा कि यही विपक्ष का असली सच है।

वहीं विपक्ष लगातार छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर सरकार को घेरता रहा। सदन में काफी देर तक हंगामा और नारेबाजी होती रही। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से अपने-अपने आसन पर जाने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहा। इसके बाद स्पीकर ने विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ एनडीए सांसदों का संसद परिसर में मार्च, राहुल गांधी से मांगा जवाब

संवाददाता

रांची/नई दिल्लीः झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर सोमवार को विधानसभा घेराव करने वाले छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज को लेकर एनडीए सांसदों ने आज राहुल गांधी समेत विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। 'मंगल मिलन' बैठक के बाद इस मुद्दे को लेकर एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में मार्च निकाला। इस दौरान एनडीए सांसदों के हाथों में 'राहुल गांधी जवाब दो' लिखी तख्तियां थीं। एनडीए सांसदों ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं जा रहे हैं? उन्होंने पुलिस लाठीचार्ज को लेकर राहुल गांधी से जवाब देने की मांग की।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, 'झारखंड के युवाओं के साथ न्याय होना चाहिए। जिस तरह से उन पर लाठीचार्ज किया गया और अत्याचार किया गया, उससे राहुल गांधी की मानसिकता का पता चलता है। यह दिखाता है कि उनके समर्थकों की सरकार वाले राज्य में युवाओं के साथ किस तरह का व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें न्याय से वंचित

किया जा रहा है। दूसरी ओर, राहुल गांधी खुद सदन में उपस्थित नहीं होते और गृह मंत्री से जवाब मांगते हैं। गृह मंत्री जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए झूठ फैला रहे हैं और गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं।'

'राहुल गांधी सदन में आएं, जवाब दें': बीजेपी सांसद तरुण चुघ ने कहा, 'राहुल गांधी सदन से भाग रहे हैं और झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर भी चुप हैं। उन्हें सदन में आना चाहिए और इस पर जवाब देना चाहिए।' वहीं, बीजेपी सांसद साक्षी महाराज ने कहा, 'सरकार के चर्चा के लिए तैयार होने के बावजूद विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। जंतर-मंतर और झारखंड के मामले में विपक्ष की नीति अलग-अलग है।' बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा, 'अमित शाह जवाब देंगे, राहुल गांधी भागना मत, राहुल गांधी, शर्म करो। झारखंड में छात्रों के ऊपर इतनी बर्बरता हुई है '

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, 'राहुल गांधी ने चर्चा करने से इनकार कर दिया है। शुरूआत में उन्होंने कॉकरोच प्रोटेस्ट को लेकर चर्चा की मांग की थी, लेकिन जब उन्हें चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया, तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। आप देख सकते हैं कि वे देश के साथ कितनी गद्दारी कर रहे हैं। वे एक दिन भी संसद को सुचारू रूप से चलने नहीं दे रहे हैं।'

सुदेश महतो ने की लाठीचार्ज की कड़ी निंदा, बोले-

मुख्यमंत्री खुद छात्रों से करें बात

संवाददाता

रांचीः जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म और विभिन्न मांगों को लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो आंदोलन स्थल पहुंचे। उन्होंने अनशनकारी और आंदोलन कर रहे छात्रों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने सोमवार को विधानसभा घेराव के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की।

युवाओं की सरकार पर सवाल, मुख्यमंत्री से सीधा संवाद की मांग : सुदेश महतो ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो सरकार कल तक खुद को युवाओं की सरकार बताती थी, वही आज अपने ही राज्य के युवाओं पर लाठीचार्ज करवा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों को सुनने के लिए मुख्यमंत्री को स्वयं उनके बीच आना चाहिए और उनसे सीधे संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास शिक्षा विभाग भी है और राज्य में अलग से शिक्षा मंत्री नहीं है। ऐसे में शिक्षा मंत्री के तौर पर भी मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी बनती है कि वे शिक्षा और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों पर छात्रों से बातचीत करें। सुदेश महतो ने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री छात्रों के सामने आने से क्यों बच रहे हैं

और इन सवालों का जवाब मुख्यमंत्री को ही देना चाहिए।

जेपीएससी-जेएसएससी अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांगः जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं और कथित अनियमितताओं की जांच को लेकर भी सुदेश महतो ने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य की अपनी एजेंसियां अगर उन्हीं विभागों और संस्थाओं से जुड़े मामलों की जांच करेंगी, जिन पर सवाल उठ रहे हैं, तो निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। उन्होंने पूरे मामले की जांच थर्ड पार्टी एजेंसी के तौर पर सीबीआई से कराने की मांग की।

दोनों एजेंसियों पर समान कार्रवाई की अपीलः सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड में नौकरियों से जुड़ी दो प्रमुख एजेंसियां काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक एजेंसी पर कार्रवाई होती है, उसके मुखिया इस्तीफा देते हैं और बाद में गिरफ्तारी तक होती है, जबकि दूसरी एजेंसी को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई देती। उन्होंने सरकार से इस पूरे मामले में समान रूप से कार्रवाई करने की मांग की।

आंदोलन छात्रों का, राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए: छात्र आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर सुदेश महतो ने कहा कि उनका समर्थन इस आंदोलन को शुरूआत से रहा है, लेकिन यह आंदोलन छात्रों का है और इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र खुद इतने सक्षम हैं कि अपने अधिकारों के लिए आंदोलन खड़ा कर सकते हैं और उन्होंने इसे साबित भी किया है।

सुदेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी की छात्र इकाई आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दे रही है। सोमवार को जब छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ, उसके बाद उन्हें स्वयं आंदोलन स्थल पर आने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने सरकार से तत्काल छात्रों से संवाद करने और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

जेपीएससी गड़बड़ी : अभय तिवारी सहित 3 आरोपियों की बेल पर सुनवाई, सीआईडी ने केस डायरी के लिए मांगा समय

रांची : जेपीएससी परीक्षा गड़बड़ी मामले के मुख्य सूत्रधार बताई जा रहे अभय कुमार तिवारी समेत 3 आरोपियों की जमानत याचिका पर अपर न्याययुक्त योगेश कुमार की कोर्ट सुनवाई हुई। मामले में सीआईडी की ओर से केस डायरी प्रस्तुत नहीं की जा सकी। सीआईडी की ओर से केस डायरी प्रस्तुत करने के लिए समय की मांग की गई। कोर्ट ने केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई निर्धारित की। बता दें कि मामले में अभय कुमार तिवारी, श्वेता गुप्ता और सौरभ सुमन ने जमानत याचिका दाखिल की है। तीनों की जमानत याचिका पर पिछली सुनवाई में कोर्ट ने मामले में केस डायरी मांगी थी। बता दें कि 14वी जेपीएससी गड़बड़ी मामले रांची पुलिस और सीआईडी ने 22 जुलाई को अभय कुमार तिवारी को गोड्डा से गिरफ्तार किया था। वह गोड्डा जिला में खाद्य आपूर्ति विभाग में पदस्थापित था। टीडीपीएल में रहते चार बार जेपीएससी की परीक्षा पास कर चुका है।

स्वतंत्रता दिवस पर मांस-मछली की दुकानें रहेंगी बंद

रांचीः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को नगर निगम क्षेत्र में सभी मांस-मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इस दौरान खाद्य पदार्थों के क्रय-विक्रय पर भी रोक रहेगी। नगर निगम ने बताया कि 15 अगस्त को प्रतिबंध के बावजूद मांस, मछली या मुर्गा बेचते हुए कोई दुकानदार पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चश्मा हटाने और केराटोकोनस के लेजर उपचार में उत्कृष्ट योगदान के लिए

डॉ.भारती कश्यप को इसकेरस एक्सीलेंस अवार्ड

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड की वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रिफ्रैक्टिव सर्जन डॉक्टर भारती कश्यप को नई दिल्ली में 7 अगस्त से 9 अगस्त के बीच में आयोजित केरोटो रिफ्रैक्टिव सर्जन की कॉन्फ्रेंस में रिफ्रैक्टिव सर्जरी पर अपने शोध एवं क्लीनिकल अनुभव के लिए इसकेरस एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया

यह सम्मान उन्हें आरपी सेंटर एम्स नई दिल्ली के डॉक्टर प्रोफेसर राधिका टंडन द्वारा दिया गया।

उन्होंने विश्व के अग्रणी रिफ्रैक्टिव सर्जन डॉक्टर रोहित शेट्टी तथा देशभर से आए नेत्र रोग विशेषज्ञों के समक्ष लेजर्स इन केराटॉकोनस विषय पर अपनी शोध एवं क्लीनिकल अनुभव प्रस्तुत किया इस विषय पर डॉक्टर रोहित शेट्टी के नेतृत्व में हुई विस्तृत चर्चा ने उनके कार्य को नई पहचान दी

डॉ भारती कश्यप पिछले 20 वर्षों से झारखंड में लेजर विजन करेक्शन चश्मा हटाने की लेजर सर्जरी के क्षेत्र में काम कर रही हैं । इस दौरान हजारों युवाओं को चश्मे से मुक्ति देकर उन्हें पुलिस वायु सेवा ,विमानन ,लोको पायलट, मर्चेंट नेवी तथा अन्य प्रतिस्पर्धी सेवाओं में आवश्यक दृष्टि मानकों के अनुरूप बनाकर जॉब के लिए फिटनेस दिलाने का महत्वपूर्ण काम किया। इसके अतिरिक्त अनेक युवतियों और

युवाओं के आत्मविश्वास तथा जीवन की गुणवत्ता में भी चश्मा रहित विजन से उल्लेखनीय सुधार लाया है डॉ भारती कश्यप ने बताया कि पिछले दो वर्षों से उनके संस्थान में विश्व की अत्यधिक और नवीनतम ए आई आई सक्षम लेजर विजन करेक्शन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

इस तकनीक के माध्यम से सामान्य लेजर विजन कलेक्शन के साथ-साथ केराटॉकोनस जैसी जटिल कॉर्नियल बीमारी के उपचार में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है इसी अनुभव एवं शोध को उन्होंने दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया जिस देश के अग्रणी विशेषज्ञों ने अत्यधिक सराहा।

दिल्ली कोलकाता और मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मेलनों में झारखंड में किए गए हमारे कार्य को मिली सराहना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में भी विश्व स्तरीय नेत्र चिकित्सा और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से मरीजों को उत्कृष्ट उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

आई-फा इंटरनेशनल में तिरंगे के रंगों में रंगा देशप्रेम

ट्राई कलर पेंटिंग एवं फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई अद्भुत रचनात्मकता

मेट्रो रेज

रांचीः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से आई-फा इंटरनेशनल रांची द्वारा ट्राई कलर पेंटिंग एवं फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भारतीय तिरंगे के केसरिया, सफेद एवं हरे रंगों के माध्यम से अपनी कला और देशप्रेम को खूबसूरती से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में पेपर ड्रॉइंग पेंटिंग को अलग-अलग ग्रुपों में आयोजित किया गया, जबकि ट्राई कलर फेस पेंटिंग में प्रतिभागियों ने अपने चेहरों पर तिरंगे के रंगों को कलात्मक अंदाज में उकेरा। पूरे आयोजन में बच्चों का उत्साह देखते ही बना और वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थितिः कार्यक्रम में नीतू सिंह, शगुफ्ता बानो, आलिया, हुमायूं कबीर, अल्मा हसन एवं निगार की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनकी कला और रचनात्मकता की सराहना की।

आयोजक मोहम्मद साबिर हुसैन ने कहा कि कला केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों में देशप्रेम, संस्कृति और सामाजिक चेतना विकसित करने का भी सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना व्यक्त करने का अवसर देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं अतिथियों में खासा उत्साह देखने को मिला। तिरंगे के रंगों से सजे चेहरों और खूबसूरत पेंटिंग्स ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का समापन जय हिन्द और वंदे मातरम् के नारों के साथ हुआ।

पेपर ड्रॉइंग पेंटिंग के विजेता

ग्रुप अ
प्रथम – हुमायरा नसीम
द्वितीय – त्रिशा रॉय
तृतीय – मेहक फातिमा
सांत्वना – मेरीन फातिमा, आमिर अब्दुल्ला एवं आयत

ग्रुप इ
प्रथम – अंकुर दास
द्वितीय – हुमायरा जावेद
तृतीय – मिरान खान

ग्रुप उ
प्रथम – रुचि कुमारी
द्वितीय – अनुज कुमार
तृतीय – आयशा मलिक
सांत्वना – जैबा एवं मुनमुन

ट्राई कलर फेस पेंटिंग के विजेता
प्रथम – जुनेरा
द्वितीय – हानिया
तृतीय – हुमैरा
सांत्वना – मंदीप एवं सात

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–25/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समयः–दिनांक **19/08/2026** को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक **20/08/2026** को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– दिनांक **20/08/2026** को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– **पुलिस अधीक्षक कार्यालय, ब्लॉक सी0, समाहरणालय, रामगढ़।**
7. कार्यो का विवरण :–

क्र0 स0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of Car Parking shed & Laying of Paver block in Confidential office of DC Residence, Ramgarh	20,83,800/-	42,000/-	5000/-	45 दिन
2	Renovation of Confidential office of DC Residence, Ramgarh	16,01,200/-	32,500/-	5000/-	1 माह
3	Repair & Renovation of Boundary wall of DC Residence, Ramgarh	24,03,800/-	48,500/-	5000/-	1 माह
4	Repair & Renovation of DC Residence at Ramgarh	22,10,300/-	44,500/-	5000/-	45 दिन

* निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल ,रामगढ़।

PR.NO.387133 Building(26-27):D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

क्यों उबल रही जेन जी?

आजकल चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे गोलमेज सम्मेलन की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें आरंभ, प्रचंड वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में मूक-बधिर छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं। यदि 5 फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में कॉकरोच अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में प्रमुख कॉकरोच अभिजीत दिपके को नेता के तौर पर 12 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान राजनीतिक-साथ रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 3036 नव स्नातकों को संबोधित किया, उन्हें गुरु मंत्र की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उनमें भरोसा जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य हैं। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना छात्रों की गूंज अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अदाणी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलीक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उसमें आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उपेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्य ! सरकारी स्कूलों में औसतन 5.1 शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत 11.1 है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब 33 लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढ़ने जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में 69,673 सरकारी स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय नहीं हैं और 46,345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित 55083 स्कूल हैं, जबकि 4.08 लाख सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे के हैं, निजी स्कूल के खर्चे वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाएं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डाटा हैं। हम ऐसे नकारात्मक पक्ष को पेश करने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यही यथार्थ है, जो जेन जी को पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कई बार गिनवाते रहे हैं कि सरकार ने कितने स्कूल, कॉलेज खोले, लेकिन हम विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में भी शामिल नहीं हैं। यही हमारी शिक्षा-नीति है। कहने का तात्पर्य यह भी है कि हमारी शिक्षा गुणवत्ता की दृष्टि से ऊंचाई को नहीं छू पाई है। नई शिक्षा नीति जरूर बनाई गई है, लेकिन कार्यान्वयन के स्तर पर अभी हम उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल नहीं कर पाए हैं। एक कारण यह भी है जिसके चलते जेन जी में आक्रोश देखा जा रहा है। युवाओं की मांगों को संबोधित करना सरकार के लिए लाजिमी है। तभी भारत सच्चे अर्थों में विकसित राष्ट्र बन पाएगा।

संसद चलेगी या पटाक्षेप

संसद के मानसून सत्र के सिर्फ चार दिन शेष हैं। इनमें सोमवार भी शामिल है। हम यह संपादकीय संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले लिख रहे हैं, लिहाजा सोमवार को सदन में क्या हुआ, उसका विश्लेषण बाद में ही कर सकते हैं। सरकार ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन बिल पेश और पारित करना तय किया था, लेकिन विपक्ष का विरोध था। परिसीमन बिल इस सत्र में लटकता दिख रहा है। यदि परिसीमन बिल पारित नहीं होगा, तो महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन कानून) 2034 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो पाएगा। संशोधन बिल पारित कराने के लिए ही तृणमूल कांग्रेस के 20, शिवसेना (उद्धव) के 6 लोकसभा सांसद और आप के 7 राज्यसभा सांसद तोड़े गए थे। एनसीपी (शरद) के 8 लोकसभा सांसदों पर भी सरकार की निगाहें हैं। इन सांसदों ने सोमवार, 10 अगस्त, को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और स्वादिष्ट व्यंजन भी चखे। शिरोमणि अकाली दल (बादल) ने भी परिसीमन बिल को समर्थन का बयान दिया है, लिहाजा उसकी एकमात्र लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल के वोट का भी जुगाड़ हो गया है। द्रमुक के 22 सांसद भी सरकार के पाले में आ सकते हैं, फिलहाल कुछ शर्तों पर सौदेबाजी जारी है। यदि इन सभी पालाबदलू सांसदों का भी समर्थन मिल जाता है, तो भी सरकार 360 के आंकड़े तक नहीं पहुंचती। लोकसभा में यह दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा है। सरकार और आंध्रप्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस के दरमियान भी पालाबदल या घोषित समर्थन की बातचीत जारी है। यदि लोकसभा सीटों के नए परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू करना था, तो 2023 में लगभग सर्वसम्मति से यह बिल पारित क्यों किया गया? कानून बनने के बावजूद करीब 3 साल तक उसकी सरकारी अधिसूचना जारी क्यों नहीं की गई? मौजूदा संदर्भ में अभी तो जनगणना जारी है, जो 2027 में संपन्न होगी। 2011 अथवा 1971 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना बेमानी है, क्योंकि जनसंख्या काफी बढ़ चुकी है और लोकसभा सीटें बेहद असंतुलित हैं।

गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उत्सव है कांवड़ यात्रा

'मुसलमानों के लिए यात्रियों की सहायता करना और जरूरतमंदों की सेवा करना लंबे समय से खिदमत-ए-खल्क का नेक कार्य माना जाता रहा है। इसी प्रकार, सेवा का हिंदू आदर्श निस्वार्थ सेवा को धार्मिक जीवन के केंद्र में रखता है। इसलिए, कांवड़ यात्रा एक मार्मिक स्मरण है कि भारत की एकता आपसी सम्मान पर टिकी है। ऐसे युग में जहां विभाजन की कहानियां करुणा की कहानियों से कहीं अधिक तेजी से फैलती हैं, इन शांत कार्यों को याद रखना आवश्यक है। ये हमें याद दिलाते हैं कि भारत की सच्ची शक्ति केवल अपने धर्म का पालन करने में नहीं, बल्कि दूसरों के धर्म का सम्मान करने में निहित है।'

फिरदौस जाकिर मिंडा

हर श्रावण में, उत्तर भारत के राजमार्गों पर 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंजते हैं और लाखों कांवड़िए भगवान शिव के लिए गंगा का पवित्र जल लाने के लिए पवित्र तीर्थयात्रा पर निकलते हैं। कांवड़ यात्रा को अक्सर केवल हिंदू भक्ति के नजरिए से ही देखा जाता है। लेकिन भगवा झंडों और आध्यात्मिक उत्साह से परे एक और कहानी छिपी है, भारत की मिश्रित संस्कृति की कहानी, जहां आस्था भाईचारे के साथ विद्यमान है और मानवता धार्मिक पहचानों से ऊपर है। इस वर्ष, सोशल मीडिया एक मुस्लिम कांवड़िए की यात्रा को सामने लाया, जिसकी अटूट भक्ति ने लोगों को आश्चर्यचकित किया, लेकिन उससे भी कहीं अधिक लोगों को प्रेरित किया। उनके लिए, कांवड़ उठाना आस्था का उल्लंघन नहीं था, बल्कि श्रद्धा, सह-अस्तित्व और सदियों से भारत को आकार देने वाली साझा सांस्कृतिक परंपराओं की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति थी। यह यात्रा याद दिलाती है कि आस्था अत्यंत व्यक्तिगत होती है, जबकि करुणा और आपसी सम्मान सार्वभौमिक होते हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और हरियाणा में हर साल ऐसी ही कहानियां सामने आती हैं।

मुस्लिम परिवार कांवड़ियों को पानी पिलाने के लिए सबील लगाते हैं। स्थानीय युवा जलपान वितरित करते हैं, प्राथमिक उपचार प्रदान करते हैं और पंचर हुए वाहनों की मरम्मत में सहायता करते हैं। बदले में तीर्थयात्री इन कार्यों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ऐसे कार्य शायद ही कभी सुर्खियों में आते हैं, फिर भी वे चुपचाप उन बंधनों को मजबूत करते हैं जो समुदायों को एक साथ बांधते हैं। यही गंगा-जमुनी तहजीब की भावना है। गंगा और यमुना के उपजाऊ मैदानों में जन्मी एक सभ्यतागत नैतिकता, जहां विविधता को सामूहिक शक्ति का स्रोत माना गया है। यह न केवल भाषा, संगीत और भोजन में बल्कि रोजमर्रा के दयालु कार्यों में भी परिलक्षित होती है जो व्यक्तिगत विश्वासों को कम किए बिना धर्म की सीमाओं को धुंधला कर देते हैं। कांवड़ यात्रा दशार्ती है कि किसी अन्य समुदाय के आस्था के क्षणों में भाग लेना पड़ोसी की परंपराओं के प्रति सम्मान और सामाजिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। चाहे वह किसी मुस्लिम द्वारा कांवड़िए को पानी पिलाना हो या किसी हिंदू द्वारा मित्रों के साथ ईद के उत्सव में शामिल होना हो। ये कार्य प्रत्येक धर्म की विशिष्टता को संरक्षित करते हुए भाईचारे के संवैधानिक मूल्यों को दशार्ते हैं। भारत का इतिहास ऐसे उदाहरणों से समृद्ध है। सूफी दरगाहों ने धर्म की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। हिंदू कारीगरों ने मुहर्रम के जुलूसों के लिए ताजिया बनाए हैं, वहीं मुस्लिम कारीगर पीढ़ियों से मूर्तियां गढ़ते और मंदिरों को सजाते आ रहे हैं। ये जीवंत परंपराएं हैं जो दशार्ती हैं कि कैसे समुदायों ने भारतीय समाज के ताने-बाने को एक साथ बुना है। ऐसे समय में जब कलह की छिटपुट घटनाएं अक्सर सद्भाव के अनगिनत उदाहरणों पर भारी पड़ जाती हैं, कांवड़ यात्रा एक अलग कहानी प्रस्तुत करती है, जो सहअस्तित्व पर आधारित है।

यह हमें याद दिलाती है कि सबसे मुखर आवाजें हमेशा आम भारतीयों के वास्तविक अनुभवों का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, जो एक-दूसरे के साथ त्योहार, उत्सव, दुख और आशा साझा करते रहते हैं। मुसलमानों के लिए यात्रियों की सहायता करना और जरूरतमंदों की सेवा करना लंबे समय से खिदमत-ए-खल्क का नेक कार्य माना जाता रहा है। इसी प्रकार, सेवा का हिंदू आदर्श निस्वार्थ सेवा को धार्मिक जीवन के केंद्र में रखता है। इसलिए, कांवड़ यात्रा एक मार्मिक स्मरण है कि भारत की एकता आपसी सम्मान पर टिकी है। ऐसे युग में जहां विभाजन की कहानियां करुणा की कहानियों से कहीं अधिक तेजी से फैलती हैं, इन शांत कार्यों को याद रखना आवश्यक है। ये हमें याद दिलाते हैं कि भारत की सच्ची शक्ति केवल अपने धर्म का पालन करने में नहीं, बल्कि दूसरों के धर्म का सम्मान करने में निहित है। यही वह भारत है जो पीढ़ियों को विरासत में मिला है और जिसे संरक्षित करने का हमें प्रयास करना चाहिए।

भाषा विभाग को चाहिए सुधारों की कलम

'चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है। अस्सी के दशक में हर जिले में खुले लेखक गृह बंद हो चुके हैं। भाषा विभाग या सरकार ने 2009 में प्लेट में सजा कर क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित धर्मशाला का लेखक गृह केंद्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया और वह 17 साल से उस पर कब्जा जमाए बैठा है। भाषा विभाग उससे किराये के रूप में 70 लाख से ज्यादा प्राप्त कर चुका है। इस राशि से लेखक गृह का नया भवन बनाया जा सकता था। लेकिन कम्फर्ट जोन में सांस लेने वाली अफसरशाही के कानों में जूं तक नहीं रेंगती ।'

राजेंद्र राजन

लंबे समय से हिमाचल सरकार का भाषा विभाग व अकादमी विवादों में रहे हैं। 1972 में जब इन दो सस्थानों की स्थापना की गई थी तो कलाकारों, लेखकों और संस्कृति कर्मियों ने इनका स्वागत किया था। अस्सी के दशक में कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित इन विभागों को एमके काव, श्रीनिवास जोशी जैसे कल्पनाशील और जुनूनी अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त था तो वीरभद्र सिंह जैसे मुख्यमंत्री का भी संस्कृतिकर्मियों के प्रति विशेष अनुराग था। वक्त ने कर-वट बदली और भविष्य में सत्तासीन होने वाली सरकारों, खासकर भाजपा के शासन काल में अस्सी के दशक में शुरू हुई कल्याणकारी योजनाएं बंद होती चली गईं। आम धारणा है कि दक्षिणपंथी व संघी विचारधारा की सरकारें कला, संस्कृति और अदबी दुनिया की विरोधी रही हैं और लेखक समाज तो शायद उन्हें फूटी आंख नहीं सुहाता। बहरहाल, विगत कुछ वर्षों यानी वर्तमान कांग्रेस सरकार के शासन में संस्कृति विभाग के सचिव राकेश कंवर ने लेखक समुदाय के हित में कुछ दूरगामी फैसले लिए जिनकी प्रशंसा भी हुई।

खासकर गेयटी थियेटर परिसर में शिमला किताबघर की स्थापना और फिर इस प्रयोग को प्रत्येक जिला भाषा अधिकारी कार्यालय में विस्तारित किया गया। शिमला में जो साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएं आए रोज गोष्ठियों का आयोजन करती रहती थीं, उन्हें गेयटी थियेटर का सम्मेलन कक्ष निःशुल्क उपलब्ध करवा दिया गया। जो कभी कभार ऐसे आयोजनों को गेयटी में करवाते रहते हैं, उन्हें 10 हजार तक पूरे दिन का किराया अदा करना पड़ता है। इससे लेखकों और उन संस्थाओं में भारी रोष व्याप्त है जो चंद घंटों के लिए हजारों की फीस देने के लिए बाध्य हैं। सरकार का यह निर्णय भेदभाव को बढ़ावा दे रहा है जिस पर तत्काल प्रभाव से पुनर्विचार की आवश्यकता है। साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाएं पूर्ण रूप से नॉन कमर्शियल हैं और पाई-पाई जोडकर साहित्य, कला व संस्कृति की सेवा को समर्पित हैं। सरकार को चाहिए कि वे सभी संस्थाओं को बराबरी के नजरिए से ट्रीट करे। सभी संस्थाओं को गेयटी थियेटर निःशुल्क उपलब्ध करवाए अथवा या जिन्हें यह सुविधा दी जा रही हैं उसे निरस्त करें। दूसरा ज्वलन्त मुद्दा शिमला किताब घर का है जहां पूर्व में हिमायली लेखक अपनी पुस्तकों की बिक्री के लिए अपनी पुस्तकें सीधे भेजते थे। कुछ समय से अकादमी और भाषा विभाग ने पुस्तकों के डिस्पले और बिक्री पर सेन्सर कमेटी का गठन कर दिया है। अकादमी या भाषा विभाग के बाबू, जो अदबी दुनिया से संभवतः कतई बेखबर हैं, यह तय कर रहे हैं कि किस-किस लेखक की कौनसी कौनसी किताबों को अकादमी के गोदाम में डम्प करना है, उसे सड़ने के लिए छोड़ देना है या फिर शिमला किताब घर भेजना है? हिमाचल के लेखकों की किताबों की बिक्री के लिए यह आपातकाल का दौर है। किस लेखक की कौनसी किताब बिकने की क्षमता या सामर्थ्य रखती है, यह केवल पाठक ही तय कर सकता है।

अकादमी या विभाग नहीं। यह निर्णय सीधे-सीधे लेखकों और उनकी किताबों के प्रति तिरस्कार भाव का सूचक है। जो किताबें न बिकें, उन्हें छह महीने या साल के बाद लेखक को लौटा देना चाहिए, ताकि शिमला किताब घर में नई किताबों या पत्रिकाओं के लिए स्पेस क्रिएट हो सके। लेकिन अकादमी और भाषा विभाग इस मामले में तानाशाही जैसा रवैया अपनाए हुए है? लोकतान्त्रिक व्यवस्था का तकाजा है कि वह लेखकों की किताबों की बिक्री प्रक्रिया को सुगम व सरल बनाए। मगर ब्यूरोक्रेसी स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में ही वक्त जाया करती रहती है। लेखक समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता का तो प्रश्न ही नहीं उठता। तीसरा मुद्दा, कभी गुलेरी जयंती तो कभी यशपाल जयंती या दीगर महान लेखकों की जयंतियों या अन्य सरकारी गोष्ठियों में लेखकों को दिए जाने वाले पारिश्रमिक का है। जिला या राज्यस्तरीय कार्यक्रमों में लेखकों की औकात मजदूर या मिस्त्री की दिहाड़ी से भी बदत्तर है। हिमाचल में निर्माण कार्यों में मजदूर की दिहाड़ी 700/- रुपए है तो मिस्त्री 1000/- रुपए लेता है। दूसरी ओर जिला या राज्यस्तर की संगोष्ठियों में भाग लेने वाले साहित्यिकारों को क्रमशः 450/- या 650/- रुपए अदा करने का प्रावधान है।

लेखक के लिए यह अत्यंत शर्मनाक स्थिति है, लेकिन वह दौड़-दौडकर सभी सरकारी प्रोग्रामों में सुशोभित होने के लिए हर शहर, हर कस्बे में पहुंच जाता है। लेखक को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच चाहिए। चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है। अस्सी के दशक में हर जिले में खुले लेखक गृह बंद हो चुके हैं। भाषा विभाग या सरकार ने 2009 में प्लेट में सजा कर क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित धर्मशाला का लेखक गृह केन्द्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया और वह 17 साल से उस पर कब्जा जमाए बैठा है। भाषा विभाग उससे किराये के रूप में 70 लाख से ज्यादा प्राप्त कर चुका है। इस राशि से लेखक गृह का नया भवन बनाया जा सकता था। लेकिन कम्फर्ट जोन में सांस लेने वाली अफसरशाही के कानों में जूं तक नहीं रेंगती। 2007 के बाद भाषा विभाग और अकादमी की सभी पुरस्कार योजनाएं बंद पड़ी हैं। उन्हें शायद लगता है कि हिमाचल में कोई भी लेखक पुरस्कार पाने के काबिल नहीं है? भाषा विभाग और अकादमी की कार्यप्रणाली से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार इन संस्थानों को निकट भविष्य में कभी भी बंद कर सकती है। इन विभागों को अगर मृतःप्राय अवस्था से मुक्त होना है, तो यथास्थिति से बाहर आना होगा। कुछ नई स्कीमें, परियोजनाएं लानी होंगी। बजट बढ़ाना होगा।

योग असल में है क्या

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

जिस पल आप योग शब्द को जोड़ते हैं, तो यह संकेत करता है कि यह अपने आप में एक मार्ग है। योग शब्द का वस्तुतः अर्थ है कि वह चीज जो आपको हकीकत पर ले आती है। इसका शाब्दिक अर्थ है एकत्व या एक हो जाना

सद्गुरु-दरअसल इस परंपरा में, जब हम किसी भी चीज के साथ योग शब्द को जोड़ते हैं, तो यह संकेत करता है कि यह अपने आप में एक मार्ग है। हम हठ योग कहते हैं, लेकिन हम आसन योग नहीं कहेंगे। बेशक, अगर आप अमरीका से आए हैं, तो वे कुछ भी कहते हैं! अगर यह अपने आप में एक मार्ग है, तो इसकी ओर कैसे बढ़ना चाहिए? अगर यह बस एक सरल अभ्यास या कसरत होती तो आप इसके प्रति एक तरह का रुख अपना सकते थे। अगर यह कला का एक रूप होता या बस मनोरंजन होता तो आप इसके प्रति दूसरे तरह का रुख अपनाते। मैं इन सब शब्दों को इसलिए इस्तेमाल कर रहा हूं क्योंकि इनका आज की दुनिया में उपयोग होता है। लोग मनोरंजन योग , हेल्थ योग की बात करते हैं, लोग इसे एक कला के रूप में ले रहे हैं। वे सोचते हैं कि इसे एक कला का रूप कहकर वे योग की सेवा कर रहे हैं। जिस पल आप योग शब्द को जोड़ते हैं, तो यह संकेत करता है कि यह अपने आप में एक मार्ग है। योग शब्द का वस्तुतः अर्थ है कि वह चीज जो आपको हकीकत पर ले आती है। इसका शाब्दिक अर्थ है एकत्व या एक हो जाना। एकत्व का अर्थ है कि यह आपको परम वास्तविकता में ले आता है, जहां जीवन की अलग-अलग अभिव्यक्तियां सृजन की प्रक्रिया में सतह के बुलबुले की तरह हैं। अभी एक नारियल का पेड़ और एक आम का पेड़ उसी धरती से निकले हैं। उसी धरती से, मानव शरीर और अनेकों जीव निकले हैं। ये सभी वही धरती हैं। योग का अर्थ है, एक ऐसी अनुभवजन्य हकीकत की ओर बढ़ना जहां व्यक्ति अस्तित्व की परम प्रकृति को जान जाता है, जिस तरह से यह बना है। योग, आपके द्वारा एकत्व को एक सोच, एक फिलॉसफी या एक अवधारणा के रूप में आत्मसात करना नहीं है। अगर आप एक बौद्धिक विचारधारा के रूप में ब्रह्मांड के एकत्व की वकालत करते हैं, तो यह आपको किसी पार्टी में लोकप्रिय बना सकता है, यह आपको समाज में प्रतिष्ठा दिला सकता है,

चिंतन-मनन

आपके पत्र

स्वरोजगार का बहुत बड़ा साधन है हथकरघा

सात अगस्त को देश में राष्ट्रीय हथकरघा अर्थात हैंडलूम दिवस मनाया गया। वर्ष 1905 में जब अंग्रेजी शासक लार्ड कर्जन ने बंगाल विभाजन की कोशिश की तो उसी समय कोलकाता के टाउनहॉल में हमारे देश के लोगों ने स्वदेशी आंदोलन का श्रीगणेश किया था। इस कारण यह दिवस 7 अगस्त को मनाया जाता है। हथकरघा हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति की एक पहचान भी है।

इनमें हमारे देश के इतिहास की झलक देखने को मिलती है। केंद्र सरकार देश में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अगस्त, 2015 को हथकरघा दिवस मनाने का ऐलान किया था, ताकि हथकरघा उत्पादों और इसके जरिए रोजी-रोटी चलाने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया जाए।

आरती शर्मा, रांची।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

नेटवर्क विहीन एवं कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क सुदृढ़ करने पर जोर

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दूरसंचार समिति साहिबगंज की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मोबाइल नेटवर्क से आच्छादित नहीं अथवा कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क अधिष्ठापन से संबंधित ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में आवश्यक महत्वपूर्ण दस्तावेजों की कमी पाए जाने वाले आवेदनों को ऑनलाइन माध्यम से संबंधित आवेदकों को वापस करने का निर्देश दिया गया, ताकि आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति के उपरांत आवेदनों पर नियमा नुसार कार्रवाई की जा सके। जिले के दियारा एवं पहाड़ी क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता एवं सुदृढ़ीकरण को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। दियारा क्षेत्र के पलाशगाछी व मशना ग्राम तथा पहाड़ी क्षेत्र के दुर्गा टोला, तेतरिया पहाड़पुर सहित नेटवर्क सुविधा से वंचित अथवा कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क अधिष्ठापन एवं कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने हेतु बीएसएनएल को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने संबंधित दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों का आवश्यक सर्वेक्षण करते हुए प्राथमिकता के आधार पर मोबाइल नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को बेहतर संचार सुविधा उपलब्ध हो सके। जबकि कार्यपालक दंडाधिकारी - सह- प्रभारी जिला सामान्य शाखा प्रभारी प्रमोद आनंद नगर प्रशासक साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह, नगर प्रशासक राजमहल दानिश हुसैन, नगर प्रशासक बरहरवा दीपक कुमार, डीपीएम यूआईडीएआई श्री संदीप कुमार सहित बीएसएनएल, जियो एवं एयरटेल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

40 वर्षों बाद निकली भास्कर धाम से हरिहर धाम तक कांवर यात्रा

विष्णुगढ़ : श्रावणी सोमवारी के अवसर पर विष्णुगढ़ कांवरिया सेवा संघ के तत्वावधान में सोमवार को भास्कर धाम से बगोदर स्थित हरिहर धाम तक भव्य पैदल कांवर यात्रा निकाली गई। करीब 13 किलोमीटर लंबी यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शिवभक्त शामिल हुए। हरिहर धाम पहुंचकर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। कांवर यात्रा को लेकर सुबह पांच बजे से ही भास्कर धाम परिसर में शिवभक्तों का जुटान शुरू हो गया था।

उत्तरवाहिनी जमुनियां नदी के तट पर आर्यन पांडेय ने वैदिक विधि-विधान से कांवर पात्र में पवित्र जल भरवाया। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ कांवरिया श्रद्धालु हरिहर धाम के लिए रवाना हुए। रास्ते भर श्रद्धालु बोल-बम के जयकारे लगाते हुए भक्ति में झूमते-नाचते आगे बढ़ते रहे। ह्यबोल-बम का नारा है, बाबा एक सहारा हैह्ल और ह्यहरिहर धाम दूर है, जाना जरूर हैह्ल के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। संघ के राजू श्रीवास्तव ने बताया कि करीब 40 वर्षों के बाद विष्णुगढ़ से हरिहर धाम तक पैदल कांवर यात्रा की परंपरा को पुनः शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में इस यात्रा की शुरूआत तत्कालीन वनरक्षी बिलइया पांडेय ने की थी। उनके स्थानांतरण के बाद यह सिलसिला बंद हो गया था। अब विष्णुगढ़ कांवरिया सेवा संघ ने स्थानीय लोगों के सहयोग से इस ऐतिहासिक यात्रा को फिर से शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि लोगों का इसी तरह सहयोग और समर्थन मिलता रहा तो आने वाली श्रावणी सोमवारी को भी पैदल कांवर यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कांवरियों की सुविधा और सेवा के लिए मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पेयजल समेत अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं। यात्रा को सफल बनाने में राजू श्रीवास्तव, मिथिलेश गोल्डी, अनुज सोनी, वरुण कुमार, शेखर सुमन, सुरेश भगत, संजय सिंह, रवि सिंह, रीता देवी, शीला कुमारी, मुस्कान वर्मा, रीना बर्मन, राजेश लहेरी समेत अन्य लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बड़कागांव पुलिस ने फरार वारंटी के घर पर चिपकाए इश्तेहार

बड़कागांव : न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार को पुलिस ने फरार वारंटी के घर चिपकाया । बड़कागांव थाना कांड संख्या 317/22 के अप्राथमिक अभियुक्त केरेडारी थाना क्षेत्र के डुमारु निवासी रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी पिता भुनेश्वर महतो के घर बड़कागांव पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निर्देशन एवं केरेडारी पुलिस के नेतृत्व में बड़कागांव के एसआई वरुण कुमार द्वारा सशक्त पुलिस बल के जवान के साथ पहुंचकर वारंटी के घर न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार को वारंटी के गांव के चौक चौराहे एवं उसके घर पर चिपकाया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी सिंह ने कहा कि अभियुक्त न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो अग्रेतर करवाई बहुत जल्द की जाएगी।

राजा कामख्या नारायण ने भूदान में सर्वाधिक जमीन दान कर बनाया था कीर्तिमान

हजारीबाग : रामगढ़ राजघराने के राजा बहादुर कामाख्या नारायण सिंह की सोमवार को 110 वीं जयंती है। 10 अगस्त 1916 को पदमा में जन्में कामाख्या नारायण सिंह को राजा बहादुर भी कहा जाता था। राजतंत्र में पले-बढ़े होने के बावजूद उनकी राजनीतिक सोच पूरी तरह गांधीवादी थी। 1940 में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 53वां अधिवेशन रामगढ़ में आयोजित हुआ था। इस ऐतिहासिक अधिवेशन को सफल बनाने में कामाख्या नारायण सिंह ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया था। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. प्रमोद कुमार बताते हैं कि पट्टाभि सीतारमैया की पुस्तक कांग्रेस का इतिहास के खंड-दो के पृष्ठ 176 में भी उनके इस योगदान का उल्लेख मिलता है। राजतंत्र के समाप्त होने के बाद भी अपनी लोकप्रियता बनाए रखना कामाख्या नारायण सिंह के राजनीतिक व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पहलू रहा। वे केवल राजघराने के प्रतिनिधि नहीं रहे, बल्कि आम लोगों के बीच अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में सफल हुए। समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया के हजारीबाग आगमन और हजारीबाग जेल में राजा साहब से मुलाकात का प्रसंग भी उनके राजनीतिक जीवन से जुड़ी चर्चित घटनाओं में शामिल है। कामाख्या नारायण सिंह के जीवन की सबसे बड़ी मिसालों में भूदान आंदोलन में उनका योगदान शामिल है। संत विनोबा भावे के भूदान यज्ञ से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी बड़ी भू-संपदा में से सर्वाधिक जमीन दान की। बताया जाता है कि पूरे देश में भूदान यज्ञ के दौरान सबसे अधिक जमीन दान करने का कीर्तिमान उनके नाम रहा। 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान भी कामाख्या नारायण सिंह ने देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के पात्र लाभुकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई।इस दौरान मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्राप्त आवेदनों एवं पात्र लाभुकों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सहायता से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। समिति के समक्ष कुल 211 लाभुकों के मामलों को सहायता हेतु अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। समीक्षा के उपरांत उपायुक्त द्वारा 167 लाभुकों के मामलों को स्वास्थ्य सहायता हेतु अनुमोदित किया गया। इनमें अनुसूचित जनजाति के 34, अनुसूचित जाति के 19 और पिछड़ा वर्ग के 114 लाभुकों के मामले शामिल हैं।वहीं, आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण 44 लाभुकों के मामलों पर वर्तमान बैठक में अनुमोदन नहीं किया जा सका। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को

निर्देश दिया कि इन मामलों में नियमानुसार आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराते हुए आगामी बैठक से पूर्व सभी अभिलेख उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।ज्ञात हो कि झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत पात्र लाभुकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।इस योजना का उद्देश्य है।

बीमारी के दौरान आजीविका के नुकसान की भरपाई करना और इलाज के बाद पौष्टिक आहार के लिए आर्थिक संबल प्रदान करना।वयस्क मरीजों के लिए, अस्पताल में इलाज की अवधि 7 दिनों से कम होने पर 3 हजार रुपये जबकि 7 दिनों से अधिक इलाज या गंभीर सर्जरी/बीमारी की स्थिति में 5 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है।वहीं कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के लिए 25 हजार रुपये तक की विशेष सहायता का प्रावधान है।बच्चों यानी अवयस्क मरीजों के लिए बीमारी या उपचार की स्थिति के अनुसार 1 हजार 500 रुपये से 5 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है।कोविड19 संक्रमण की स्थिति में होम आइसोलेशन के लिए 5 हजार रुपये जबकि अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराने पर 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है।योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों मे राशन कार्ड, ऑनलाइन निर्गत जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड, सिविल सर्जन अथवा मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा जारी बीमारी का प्रमाण पत्र तथा बैंक पासबुक की प्रति शामिल है।बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों की जानकारी दी जा रही है : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने जिले के विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के साथ बैठक की। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक बैंकिंग व वित्तीय मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव ने बैंक अधिकारियों से लंबित मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन के लिए प्रेरित करने का आवश्यक सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया।राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, एनआई एक्ट चेक अनादरण धन वसूली, बिजली एवं पानी बिल भरण-पोषण, श्रम विवाद, आपराधिक शमनीय अपराध मोटर दुर्घटना, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण उपभोक्ता एवं बीमा विवाद सहित अन्य समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन मामलों का भी समाधान किया जा सकेगा। लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन से पक्षकारों को समय पर खर्च की बचत के साथ त्वरित न्याय प्राप्त होगा। प्राधिकार द्वारा विभिन्न न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों की जानकारी दी जा रही है। मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थों एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स न्याय मित्रों का भी सहयोग लिया जा रहा है।संबंधित विभागों सेअपील की वे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए अधिकाधिक लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों को चिह्नित कर उनके शीघ्र निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे 12 सितम्बर, 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने समझौता योग्य मामलों का सरल, सुलभ एवं त्वरित समाधान प्राप्त करें। प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन हेतु इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में आवेदन कर सकते हैं। सहायता एवं आवश्यक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9471521725 पर संपर्क किया जा सकता है। इस बैठक में अग्रणी बैंक प्रबंधक प्रदीप कुमार झा दीपक , भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि शुभम दास, बैंक ऑफ बरोदा के शाखा प्रबंधक अक्षय अंशु, बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक मो० रुस्तम अंसारी, इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंधक लवनिश कुमार , पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक सुमन हांसदा सहित अन्य उपस्थित थे।

कोटालपोखर में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, 20 दुकानों की हुई जांच

संवाददाता

साहिबगंज : खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को कोटालपोखर क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई अभिहित अधिकारी-सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज के निदेर्शानुसार की गई।अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी नौरंग देव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 20 दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, लेबलिंग, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, भंडारण व्यवस्था तथा प्रतिष्ठानों में स्वच्छता की जांच की गई। दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने दुकानदारों को एक्सपायर्ड, बिना उचित लेबल वाले अथवा मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं करने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सुरक्षा को लेकर जिले में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी अभियान आगे भी जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान पर लगातार आक्रमण हो रहा है : श्याम सुंदर

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय किसान सभा एवं केंद्र ट्रेड यूनियन के जेल भरो आंदोलन के आह्वान पर साहिबगंज जिला कमेटी की ओर से साहिबगंज रेलवे स्टेशन चौक पर कॉ असगर आलम की अध्यक्षता में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त महोदय के माध्यम से स्मार पत्र सौपा गया धरना को संबोधित करते हुए कमेंट श्याम सुंदर पोद्दार ने बताया कि वर्तमान में केंद्र सरकार के जन विरोधी नीतियों के चलते देश के देसी विदेशी कॉर्पोरेट गानों का कब्जा लगातार बढ़ते जा रहा है जिसका सीधा नुकसान स्थानीय उद्योगों किसान मजदूर युवाओं देश के सभी मेहनत के जनता को उठाना पर रहा है महंगाई बेरोजगारी किसने की बदहाली मजदूरी के अधिकारों पर हमला छात्रों के भविष्य पर मंडराता संकट व आम जनता के जीवन और आजीविका की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध पर्यावरण के विनाश सी केवल वर्तमान नहीं बल्कि आने वाले पीढ़ियों का भविष्य भी गंभीर संकट में पढ़ रहा है देश में लोकतांत्रिक अधिकारों संविधान और संघीय धातु पर लगातार आक्रमण हो रहा है महंगाई बेरोजगारी और कोऑपरेटिव लूट जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकने के लिए नफरत और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है वही कॉ इश्तियाक ने देश में दमनकारी कानून के जरिए विरोध तथा हड़ताल के अधिकारों को कुचला जा रहा है गरीबों दलितों और प्रवासी मजदूरों के मतदान तथा नागरिक अधिकारों के प्रयोग में लगातार बढ़े खरीद की जा रही है उपरोक्त विषयों को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय किसान सभा एवं भारतीय

ट्रेड यूनियन तथा अखिल भारतीय खेत मजदूर अपने स्वतंत्र आंदोलन से आगे बढ़ते हुए विभिन्न मांगों को लेकर आगे भी आंदोलन करता रहेगा।

क्या है मांगे : सभी के लिए खाद्य सुरक्षा स्वास्थ्य शिक्षा और आवास की गारंटी करें, सभी के लिए सम्मानजनक रोजगार न्यूनतम मजदूरी सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन कीगारंटी करो, सभी कृषि उत्पादों की वैधानिक २स्त्र के तहत खरीद की गारंटी करो, किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ तथा समय पर पर्याप्त मात्रा में काला बाजारी मुक्त खाद बीज की उपलब्धता करो ऑनलाइन रसीद में एवं पंजी तू में शुद्धिकरण अभिलंब करो,कार्य दिवसों संख्या तथा मजदूरी वृद्धि सहित अधिकार आधारित गारंटी कृत ग्रामीण रोजगार और शहरी रोजगार गारंटी योजना करो, जंगली जानवरों प्राकृतिक आपदाओं एवं जलवायु परिवर्तन से प्रभावित किसानों को फसल बीमा उचित मुआवजा धान का पूरा बकाया भुगतान तथा सभी खेतों तक सिंचाई की गारंटी करो, पीढ़ियों से जंगलों में बसे गरीबों भूमिहीनों एवं ग्रामीण मजदूरों को वन पट्टा देने की गारंटी करो, वर्कर्स अनुबंध और अस्थाई कर्मचारियों तथा नियमितीकरण और समान काम के लिए वेतन देने की गारंटी करो,खेत एवं ग्रामीण मजदूर के लिए न्यूनतम वेतन सामाजिक एवं कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करो, विस्थापितो को मुआवजा एवं पुनर्वास सुनिश्चित करो, औपचारिक कानूनी रूप से परिभाषित सभी कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन सामाजिक एवं कानूनी सुरक्षा की गारंटी करो।

सभी मजदूर विरोधी प्रावधान रदद करो भीबी -जी आरएम जी अधिनियम 2025 रदद करो, एस एनएच एएनटीआई अधिनियम 2025 रदद करो,

बिजली संशोधन विधेयक 2025 रदद करो,सब की सुरक्षा सबका बीमा विधेयक 2025 रदद करो।

बी विधायक 2025 रदद करो,विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधियक 2025 रदद करो, बेलगाम निजीकरण रेड करो, अस्थाई नौकरियों का ठेका कारण रद्द करो गैर मजेरवा जमीन का लैंड बैंक रदद करो।

स्थानीय मांगे

साहिबगंज जिला के बहु फसली कृषि भूमि का अधिकरण करना बंद करो बरहवा अंचल के श्रीकुंड से शिव पहाड़ तक आरसीडी सड़क बनाने के नाम पर तीन फसलों कृषि भूमि का अधिकरण बंद करो, साहिबगंज जिला में खाद और कीटनाशक पर लूट करना बंद करो,साहिबगंज जिला में खारिज दाखिल ऑनलाइन सुधार के नाम पर लूट करना बंद करो।

साहिबगंज जिला में प्राकृतिक आपदा में फसलों की बबार्दी पर बटाईदार को मुआवजा देना होगा, बड़हरवा अंचल के गुमानी नदी में बाढ़ से हुए कटान बांधने का काम अभिलंब चालू करो, गुमानी नदी के दोनों किनारे तट पर साइड बंद का काम अभिलंब चालू करो।

साहिबगंज जिला में अभिलंब शीर्षवादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना चालू करो,साहिबगंज जिला में सरकारी योजना में चल रहे ल खसोट को अभिलंब बंद करो,साहिबगंज जिला में राशन डीलर द्वारा दिए जा रहे अनाज के लूट को बंद करो, साहिबगंज जिला में बना रहे फोरलेन के रिटो को निबंध के वाला एवं दखलदानी के आधार पर मुआवजा राशि का भुगतान दिया जाए। साहिबगंज जिला के महाराजपुर से शमार्पुर सड़क निर्माण में जमीन देने वाले जमींदारों को अभिलंब मुआवजा राशि भुगतान किया जाए।

साहिबगंज जिला में पुराने के वाला धारी रैयतों का दाखिल खारिज मोशन किया जाए, साहिबगंज के मौजा किशन प्रसाद जमाबंदी नंबर 603 रखवा 10 बीघा सजदिया मदरसा जमीन की खेती करने पर अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी मुफस्सिल साहिबगंज के द्वारा मौखिक रूप से लगाए गए खेती पर रोक के आदेश को हटाया जाए, वर्ष 2025 में साहिबगंज प्रखंड के सकरी गली के गोपालपुर दियारा में बाढ़ के कटाव में गंगा में समय गए घरों को जमीन एवं घर मुहैया कराई जाए,धरना में उपस्थित गंगाधर यादव देवेंद्र राय फरहत खानम निशा गुप्ता कैपल इस्लाम आशीष रंजन कॉ सलीम मोहम्मद फैसल रफीकुल इस्लाम मनीरूल इस्लाम बहारूल हक जुलू शेख अजय कुमार मिंस मसूद आलम असलम शेख शरीफुल इस्लाम रोहित कुमार नौशाद आलम इस अली परवेज आलम अमरनाथ चौधरी उर्मिला देवी बढ़ाना देवी सुशीला देवी कविता देवी तारिया देवी रेशमी देवी भुलावन चौधरी पंचू चौधरी मोहम्मद दिलकश सहित दर्जनों को उपस्थित थे।

26/11 के अनसुने नायकों की कहानी दिखाएगी कंगना रनौत की फिल्म, 14 अगस्त को जी 5 पर होगी रिलीज

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हिंदी जी5 दर्शकों के लिए एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जो 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान साहस और मानवता की मिसाल कायम करने वाले गुमनाम नायकों की बहादुरी को सामने लाएगी। कंगना रनौत, गिरिजा ओक और स्मिता तांबे स्टारर फिल्म भारत भाग्य विधाता का एक्सक्लूसिव डिजिटल प्रीमियर 14 अगस्त 2026 को होगा। फिल्म का लेखन और निर्देशन मनोज तापड़िया ने किया ।

26/11 हमले की अनसुनी कहानी पर आधारित है फिल्मः भारत भाग्य विधाताह्न की कहानी 26/11 मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म मुंबई के अस्पताल में हुई घटनाओं के जरिए उन नर्सों, वार्ड बॉय, सफाईकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों की बहादुरी को सामने लाती है, जिन्होंने आतंक के बीच मरीजों की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा दी। जब आतंकियों ने अस्पताल परिसर में घुसपैठ की, तब इन कर्मचारियों ने बिना पर्याप्त सुरक्षा साधनों के भी अपने कर्तव्य से पीछे हटने के बजाय मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

डर के सामने हिम्मत और इंसानियत की कहानी: फिल्म सिर्फ एक थ्रिलर नहीं बल्कि मुश्किल परिस्थितियों में इंसानियत, त्याग और हिम्मत की कहानी भी पेश करती है। भारत भाग्य विधाता उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिनकी बहादुरी अक्सर बड़ी खबरों और सुर्खियों से दूर रह गई। फिल्म के जरिए दिखाया गया है कि 26/11 जैसे भयावह संकट के बीच अस्पताल के कर्मचारियों ने किस तरह अपने डर पर काबू पाया और मरीजों को बचाने के लिए असाधारण साहस दिखाया।

कंगना रनौत निभाएंगी अहम भूमिकाः फिल्म में कंगना रनौत के साथ गिरिजा ओक और स्मिता तांबे समेत कई कलाकार नजर आएंगे। कंगना रनौत फिल्म की अभिनेत्री होने के साथ इसकी प्रोड्यूसर भी हैं। कंगना ने फिल्म को लेकर कहा कि कुछ कहानियां इसलिए सामने आती हैं क्योंकि उन्हें बताया जाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि 26/11 के दौरान आतंक और इंसानियत के बीच खड़े होकर मरीजों की सेवा करने वाले हेल्थकेयर वर्कर्स की अनकही कहानियों को पर्दे पर लाना उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण था। वहीं, लेखक-निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा कि फिल्म के जरिए 26/11 की ऐसी कहानी दिखाने की कोशिश की गई है, जिसे पहले इस नजरिए से सामने नहीं लाया गया।

14 अगस्त को जी5 पर होगा डिजिटल प्रीमियरः भारत भाग्य विधाता का एक्सक्लूसिव डिजिटल प्रीमियर 14 अगस्त 2026 को हिंदी जी5 पर होगा। फिल्म के निर्माताओं के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इसकी रिलीज इसे और खास बनाती है, क्योंकि यह कहानी देश की रक्षा करने वाले जवानों के साथ-साथ उन आम नागरिकों के साहस को भी याद करती है, जो संकट की घड़ी में असाधारण भूमिका निभाते हैं। कावेरी दास, बिजनेस हेड-हिंदी जी5 और चीफ चैनल ऑफिसर-&टीवी ने भी फिल्म को 26/11 के दौरान कोम्बो हॉस्पिटल के डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों के साहस को सम्मान देने वाली कहानी बताया है।

विनाश काले विपरीत बुद्धि... गोविंदा को रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी संग देख फूटा पत्नी का गुस्सा, बोल डाली ये बातें

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। 62 वर्षीय अभिनेता को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी अपकमिंग फिल्म रूपा की को-स्टार और एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार के साथ देखा गया। दोनों की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद एक बार फिर उनके रिश्ते को लेकट चचाएं तेज हो गई हैं।

गोविंदा और कोमल रानी के बीच अफेयर की खबरें काफी समय से सामने आती रहती हैं। खास बात यह है कि इन चर्चाओं को हवा खुद गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों से मिली है। पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों के बीच जब पैपराजी ने सुनीता से गोविंदा और कोमल रानी की वायरल तस्वीरों को लेकर सवाल किया तो उन्होंने बेहद तल्ख और इशारों-इशारों में जवाब दिया।

सुनीता ने इस मामले पर कुछ ज्यादा कहने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने संकेत दिया कि अब वह गोविंदा से जुड़े किसी भी सवाल का जवाब देने के मूड में नहीं हैं। इस तरह सुनीता ने पूरे मामले से खुद को अलग करते हुए फैसला मीडिया और गोविंदा के फैंस पर छोड़ दिया।

विनाश काले विपरीत बुद्धि... सुनीता आहूजा का फूटा गुस्सा : कोमल रानी के संग गोविंदा की वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। इन सब को देखते हुए सुनीता ने कहा कि- वो कहावत सुनी है, विनाश काले विपरीत बुद्धि... बस गोविंदा के साथ भी ऐसा ही हुआ है। उन्होंने कहा जब व्यक्ति की बुद्धि खराब हो जाती है तो वो ऐसा ही करता है। इसके बाद उन्होंने कुछ ज्यादा बोलने से मना कर दिया।

इसके बाद जब उनसे सवाल किया गया कि हीरो नंबर 1 आज चीटर नंबर 1 बन गया है तो सुनीता ने कहा कि उनसे इस तरह का सवाल न किया जाए। ऐसे सवाल उनसे करने चाहिए जो गोविंदा के फैंस मुझे ट्रोल करते हैं। इसलिए अब वह चाहती हैं कि इस मामले पर गोविंदा के फैंस और मीडिया खुद जवाब दे। इस तरह के मामलों में अब उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है।

गोविंदा का वर्क फ्रंट : इसी के साथ यदि गोविंदा के काम की बात की जाए तो हाल ही में वो अपनी आने वाली फिल्म रूपा के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस कोमल रानी मुख्य किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। कोमल और गोविंदा को साथ में देखने के बाद दोनों के रिलेशन की अफवाहें फिर से उड़ने लगी हैं।

माधुरी दीक्षित के प्यार में पागल थे संजय दत्त ! साजन फिल्म के डायरेक्टर ने बताया- माधुरी के क्लोजअप शॉट्स में खोए रहते थे एक्टर

सलमान खान, माधुरी दीक्षित और संजय दत्त स्टारर फिल्म साजन साल 1991 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लॉरेंस डिसूजा के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई और उस दौर की चर्चित लव-ट्रायंगल फिल्मों में अपनी खास जगह बनाई। फिल्म की सफलता के साथ-साथ संजय दत्त और माधुरी दीक्षित की कथित नजदीकियों की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। कहा जाता है की फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों की दोस्ती बढ़ी और उनके बीच रोमांस की चचाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि दोनों कलाकारों की ओर से नहीं हुई थी।

माधुरी के क्लोज अप शॉट्स में खोए रहते थे एक्टर : साजन के निर्देशक लॉरेंस डिसूजा ने इस बारे में बताते हुए कहा कि वह फिल्म कैमरा और निर्देशन, दोनों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जब वह माधुरी दीक्षित के क्लोज-अप शॉट्स शूट करते थे, तब संजय दत्त कई बात कैमरे के जरिए उन्हें देखते थे। उन्होंने कहा कि संजय माधुरी को जरूर देखते थे लेकिन उन्होंने उस समय कभी यह सोचने की कोशिश नहीं की दोनों के बीच वास्तव में कुछ चल रहा था या नहीं।

दोनों के अफेयर से अंजान थे डायरेक्टर : डायरेक्टर ने 1993 में संजय दत्त की गिरफ्तारी के बाद उनके और माधुरी दीक्षित के रिश्ते को लेकर चल रही चचाओं पर भी प्रतिक्रिया दी। फिल्म मेकर के मुताबकि, इस रिश्ते के बाद क्या हुआ, इसकी जानकारी उन्हें सिर्फ मीडिया में छपी खबरों से मिली थी। उन्हें निजी तौर पर यह नहीं पता था की आखिर माधुरी ने संजय दत्त से दूरी बनाने का फैसला किस वजह से लिया। डायरेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने उन रिपोर्ट्स को गंभीरता से नहीं लिया था, जिनमें कहा गया था कि माधुरी का परिवार संजय के साथ उनके रिश्ते के खिलाफ था।

संजय दत्त ने माधुरी से मांगी थी माफी : इससे पहले 1993 में मूवी मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में संजय दत्त ने माधुरी दीक्षित के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि साजन की शूटिंग के दौरान दोनों के रिश्ते को लेकर खबरें सामने आई थीं। उस वक्त माधुरी केन्या में फिल्म खेल की शूटिंग कर रही थी। बाद में जब साजन का अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू हुआ, तो संजय ने माधुरी से माफी मांगी थी।

संजय दत्त ने अपने रिश्ते की अफवाहों को कर दिया था खारिज : जब संजय दत्त जेल से बाहर आये तो उनसे, पत्रकारों ने उनके और माधुरी के रिश्ते के बारे में पूछा था तो उन्होंने इन अफवाहों से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने और माधुरी ने साथ में बहुत सी फिल्में की हैं और को-स्टार के साथ हमेशा अच्छे तालमेल बना के रखने पड़ते हैं, चाहे फिर वो कोई भी हो।

कलंक फिल्म में साथ दिखे संजय और माधुरी : इन सब अफवाहों के काफी साल बाद संजय दत्त और माधुरी ने कलंक फिल्म में साथ में काम किया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को इतना प्यार नहीं मिला लेकिन ऑनलाइन इस फिल्म ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

रॉयल ब्लू गाउन में माधुरी का शाही अंदाज 59 की उम्र में भी चेहरे से छलकता है नूर,2

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित एक बार फिर अपने बेमिसाल हुस्न और ग्रेस से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रही हैं। हाल ही में शेयर की गई अपनी तस्वीरों में माधुरी एक बेहद खूबसूरत रॉयल ब्लू रंग के एम्ब्रॉइडेड गाउन में दिखाई दे रही हैं। वेस्टर्न और एथनिक के इस शानदार फ्यूजन लुक में उनका शाही अंदाज देखते ही बन रहा है। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें आते ही वायरल हो गई हैं और फैशन लवर्स उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

ऑफ-शोल्डर ड्रेस में माधुरी दीक्षित ने खींचा ध्यान : माधुरी दीक्षित के इस ऑउटफिट की बात करें तो उन्होंने गहरे नीले रंग का स्ट्रैपलेस गाउन पहना हुआ है। इस गाउन का ऊपरी हिस्सा यानी कोर्सेट बॉडीस बारीक एम्ब्रॉयडरी से सजा हुआ है।

गाउन पर ट्रेडिशनल पैसले और फ्लोरल मोटिफ्स की कढ़ाई की गई है। इसमें सुनहरे, लाल, क्रीम और गुलाबी रंग के धागों व सितारों का इस्तेमाल बेहद नजाकत से हुआ है। बॉडीकॉन और मर्मेड स्टाइल सिल्युएट वाला यह गाउन नीचे जाकर हल्का सा फ्लेयर्ड होता है, जिससे माधुरी का फिगर बेहद एलिगेंट दिख रहा है। गाउन के साथ उन्होंने मैचिंग शिफॉन का शेड्स और बूटी वर्क वाला दुपट्टा कैरी किया है, जोस इस वेस्टर्न गाउन को एक इंडियन रॉयल टच दे रहा है।

ज्वेलरी के साथ अपने लुक को बनाया परफेक्ट : इसी के साथ यदि माधुरी की ज्वेलरी की बात की जाए तो उन्होंने अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए बहुत ही खास ज्वेलरी का चयन किया है। उन्होंने गले में हीरों और हरे पन्नों से जड़ा हुआ एक शानदार चोकर सेट पहना है। नीले गाउन पर हरे पन्नों का यह कंट्रास्ट बेहद ही आकर्षित कर रहा है।

इसी के साथ यदि उनके इयररिंग्स को देखा जाए तो उन्होंने कानों में सिंपल डायमंड स्टड्स और दोनों की उंगलियों में मल्टी-लेयर स्टेटमेंट रिंग्स उनके पूरे लुक में गॉर्जियस स्पार्कल जोड़ रही हैं।

न्यूड मेकअप से लुक बना परफेक्ट : माधुरी ने अपने लुक को संतुलित रखने के लिए मेकअप को काफी सटल और क्लासी रखा है। बालों को साइड-पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेवी स्टाइल स्टाइल लुक दिया है। वहीं उनका मेकअप देखा जाए तो उन्होंने न्यूड-ब्राउन टोन की लिपस्टिक, सटल स्मोकी आइज, मस्कारा और हल्का ब्लश चुना है।

वर्ल्ड कप 2027 के नए फॉर्मेट पर बवाल, आईसीसी के फैसले से भडके स्कॉटलैंड-नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड

अपमान का लगाया आरोप; तीन स्टेज में होगा टूर्नामेंट, 14 टीमें खेलेंगी

एजेंसी/ दुबईः 2027 वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट को लेकर आईसीसी और एसोसिएट देशों के बीच विवाद शुरू हो गया है। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के नए फॉर्मेट पर आपत्ति जताई है। दोनों बोर्ड ने आईसीसी पर फैसले लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कम समय में किए गए बदलावों से इंटरनेशनल क्रिकेट की विश्वसनीयता और निष्पक्षता कमजोर हो सकती है। वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट मंजूर किया है। पहले स्टेज में रैंकिंग की 12वीं, 13वीं और 14वीं टीमों के बीच सुपर सीरीज होगी। इनमें से सिर्फ एक टीम अगले चरण में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें अगले स्टेज में जाएंगी। चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम भी अगले राउंड में पहुंचेगी।

इस तरह कुल सात टीमें सुपर-7 राउंड खेलेंगी। सुपर-7 में सभी सात टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली दो टीमें फाइनल खेलेंगी। नए फॉर्मेट का असर स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स जैसी एसोसिएट टीमों पर सबसे ज्यादा पड़ सकता है। दोनों बोर्ड के मुताबिक, ऐसी टीमों को मुख्य वर्ल्ड कप तक पहुंचने के लिए कई स्टेज से गुजरना होगा। एसोसिएट टीमों को पहले वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर खेलना होगा। इसके बाद जरूरत पड़ने पर तीन टीमों की सुपर सीरीज। फिर 12 टीमों वाले मुख्य ग्रुप स्टेज में जगह बनाने की चुनौती। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने कहा कि टूर्नामेंट का ढांचा कम समय में बदलने से उन्हें मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। लंबे समय की प्लानिंग प्रभावित होगी। इसके अलावा सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे क्रिकेट बोर्डों पर अतिरिक्त ऑपरेशनल और वित्तीय दबाव पड़ेगा।

नेटफ्लिक्स के 10 साल पूरे होने पर ऑपरेशन सफेद सागर का भव्य प्रीमियर, रेड कार्पेट पर जुटे सेनाओं के प्रमुख

नेटफ्लिक्स ने भारत में अपने 10 साल पूरे होने के मौके पर अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का भव्य प्रीमियर नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया। यह प्रीमियर कई मायनों में ऐतिहासिक रहा, क्योंकि पहली बार भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के प्रमुख एक साथ किसी प्रीमियर के रेड कार्पेट पर नजर आए। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल धीरज सेठ समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। इस खास मौके पर कारगिल युद्ध के वीर सैनिक, रियल गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन के सदस्य, सीरीज की कास्ट और क्रू भी शामिल हुए। नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

टेड सारंडोस ने भारत में नेटफ्लिक्स के 10 साल के सफर को किया यादः प्रीमियर समारोह नेटफ्लिक्स के भारत में एक दशक पूरे होने का जश्न भी बना। इस दौरान टेड सारंडोस ने भारत में नेटफ्लिक्स के सफर और भारतीय कहानियों को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने की कंपनी की प्रतिबद्धता पर बात की। उन्होंने ऑपरेशन सफेद सागर को नेटफ्लिक्स इंडिया का अब तक का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन बताया। उन्होंने यह भी साझा किया कि इस प्रोजेक्ट से भारतीय अर्थव्यवस्था में 24 मिलियन डॉलर से अधिक यानी करीब 215 करोड़ रुपये का योगदान हुआ है।

अच्छा प्रदर्शन करो, चयनकर्ता खुद चुनेंगे मोहम्मद शमी को जहीर खान की सलाह

नई दिल्लीः भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए टीम इंडिया में वापसी की राह फिलहाल आसान नजर नहीं आ रही है। चयन समिति की मौजूदा योजनाओं में अनुभवी तेज गेंदबाज का नाम प्रमुखता से दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में भारत के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जहीर खान ने शमी को एक अहम सलाह दी है। जहीर का मानना है कि शमी को टीम के फैसलों के बजाय उन चीजों पर ध्यान देना चाहिए, जो उनके नियंत्रण में हैं। जहीर खान ने कहा कि अगर शमी लगातार मैच खेल रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्हें खुद को उपलब्ध रखना चाहिए।

उनके मुताबिक, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं की सोच अलग हो सकती है, लेकिन खिलाड़ी के लिए सबसे जरूरी है कि वह अपने स्तर पर योगदान देने की कोशिश जारी रखे। जहीर ने कहा, यह आपका फैसला है कि आप किस तरह आगे बढ़ना चाहते हैं। अगर आप मैच खेल रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो आप उपलब्ध रहते हैं। जहीर के अनुसार, शमी को वही करना चाहिए जो वह फिलहाल कर रहे हैं, मैच खेलना और प्रदर्शन करना गए।

न्यूज ब्रीफ

अरुणाचल प्रदेश में भारत ने बदले 27 जगहों के नाम, चीन बौखलाया, बताया गैर-कानूनी

बीजिंग/नई दिल्ली : अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगातार अतिक्रमण की कोशिश करने वाले चीन को भारत ने एक बड़ा और करारा जवाब दिया है। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों (झील, बस्तियां और स्मारक) के नाम बदलकर उन्हें अपने आधिकारिक मैप (सर्वे ऑफ इंडिया) में शामिल कर लिया है। भारत के इस सख्त और कूटनीतिक कदम से चीन बुरी तरह बौखला गया है।

चीन ने की निंदा, कहा- जंगनान हमारा हिस्साः भारत द्वारा नाम बदले जाने पर चीन की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए एक निंदा बयान जारी किया। चीन ने इस कदम को पूरी तरह से अस्वीकार्य और गैर-कानूनी करार दिया है। चीन ने अपना पुराना राग अलापते हुए फिर से दावा किया है कि ये सभी इलाके उसके जंगनान (चीन का दक्षिणी तिब्बत क्षेत्र) का हिस्सा हैं। आपको बता दें कि चीन अरुणाचल प्रदेश के लगभग 90 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को जंगनान बताते हुए उस पर अपना दावा ठोकता है।

2017 से खुद नाम बदलने का खेल खेल रहा है चीनः दिलचस्प बात यह है कि जो चीन आज भारत के कदम पर तिलमिला रहा है, वह खुद साल 2017 से अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों के नाम बदलकर प्रोपेगेंडा फैलाने का हथकंडा अपनाता रहा है। हालांकि, भारत सरकार ने चीन के इन झूठे दावों को हर बार सिरे से खारिज करते हुए इसे आधारहीन बताया है। इस बार भारत ने खुद अरुणाचल प्रदेश सरकार की सलाह पर अपनी जगहों के सटीक नामों को आधिकारिक रूप से मैप में शामिल कर चीन को उसकी ही भाषा में जवाब दिया है।

चीनी मीडिया में उबाल, सीमा पर तनाव बढ़ने की आशंकाः भारत के इस बड़े कूटनीतिक कदम से चीनी मीडिया में भी भारी उबाल देखने को मिल रहा है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ऐसे समय में जब भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे थे, भारत के एकतरफा कदमों से सीमा पर हालात फिर से बिगड़ सकते हैं और इससे भारत को कोई फायदा नहीं होगा। गौरतलब है कि भारत ने साफ कर दिया है कि 1914 के शिमला समझौते के तहत बनी मैकमोहन लाइन ही अंतरराष्ट्रीय सीमा है (जिसे चीन नहीं मानता) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है, जिसके बारे में फैसला लेने का पूरा अधिकार केवल भारत सरकार के पास है।

टीएमसी बागी सांसदों में भी दरार, यूनुस पठान समेत तीन सांसदों का बीजेपी में जाने से इनकार

कोलकाता: बंगाल में टीएमसी की करारी हार के बाद 20 सांसदों ने विद्रोह किया और वे नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का हिस्सा हो गए। यह स्पष्ट था एनडीए का समर्थन करने के लिए ही इस पार्टी का दामन थामा गया है। वहीं अब कई बागी सांसदों में असंतोष साफ नजर आ रहा है और ऐसे में बागी गुट में दरार पड़ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये तीनों ही सांसद मुर्शिदाबाद में मुस्लिम बहुल सीटों से चुने गए सांसद हैं।

इनमें पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान का भी नाम शामिल है। वह बहरामपुर से सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक इन तीनों ही सांसदों का मानना है कि बीजेपी से करीबी रखने पर उनका वोट बैंक बुरी तरह प्रभावित होगा। ऐसे में उनका यही कहना है कि बीजेपी के करीब जाना मतलब अपने क्षेत्र की जनता को धोखा देना है। यूसुफ पठान के अलावा इस लिस्ट में मुर्शिदाबाद से सांसद अबू ताहिर खान और जंगीपुर से सांसद खलीलुर रहमान शामिल हैं।

एनडीए की बैठक से भी बनाई दूरी: हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एनडीए की बैठक में भी तीनों सांसद शामिल नहीं हुए थे। हालांकि दिल्ली में ही जब शुभेंदु अधिकारी ने बैठक बुलाई तो ये तीनों सांसद पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि बंगाल में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के मुद्दे पर अपनी बात रखने के लिए वे बैठक में गए थे। बता दें कि अबू ताहिर काफी अनुभवी नेता हैं। 2019 में वह टीएमसी में शामिल हुए थे और जंगीपुर से दो बार के सांसद हैं। बीते दिनों सांसद अबू ताहिर ने कहा कि वह एनडीए में नहीं हैं, हालांकि वह शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई सहयोगी दलों के सांसदों के लिए नाश्ते पर आयोजित बैठक में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से सांसद ताहिर ने कहा कि इस कार्यक्रम में वह सिर्फ लोगों के मुद्दे उठाने के लिए शामिल हुए।

पहली बार लाल किले की प्राचीर से गूंजेगा वंदेमातरम, 80वें स्वतंत्रता दिवस पर नई व्यवस्था, मंच पर दिखेंगे जेनजी

नई दिल्ली: इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह मुख्य रूप से भारत की युवा शक्ति को समर्पित और याद करने वाला होगा। स्वतंत्रता दिवस 2026 समारोह में देश भर के प्रतिभाशाली युवाओं और अचीवर्स को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित ओलंपियाड 2026 में देश का नाम रोशन करने वाले 19 पदक विजेता छात्रों को इस समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इन मेधावी छात्रों को लाल किले की प्राचीर पर बैठने का गौरव प्राप्त होगा। रक्षा सचिव आरके सिंह ने बताया कि नए क्रम के अनुसार प्रधानमंत्री के आगमन पर राष्ट्रगीत से कार्यक्रम की शुरूआत होगी, जिसके बाद वह तिरंगा फहराएंगे और फिर राष्ट्रगान गाया जाएगा।

यंग अचीवर्स होंगे शामिलः स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़े युवाओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फहराएंगे तिरंगाः स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रध्वज फहराएंगे और देशवासियों को संबोधित करेंगे।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के छात्र भी बनेंगे हिस्साः विभिन्न क्विज और प्रतियोगिताओं के माध्यम से चुने गए दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों को भी इस राष्ट्रीय समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर दिया गया है।

आंदोलन से पहले तैयार थी योजना : : रक्षा सचिव आरके सिंह से पूछा गया कि क्या यह जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद किया जा रहा है, तो उन्होंने कहा कि मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि यह योजना जंतर-मंतर आंदोलन से पहले ही तैयार कर ली गई थी।

फेस्टिव सीजन में क्विक कॉमर्स कंपनियों का बंपर धमाका, 3 लाख से ज्यादा अस्थायी नौकरियों की बहार, सैलरी में भी होगा इजाफा

नई दिल्ली : आगामी फेस्टिव सीजन को देखते हुए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बड़े पैमाने पर हायरिंग की तैयारी कर रहे हैं। ग्राहकों को उनके ऑर्डर 10 से 15 मिनट में डिलीवर करने के वादे को पूरा करने के लिए कंपनियां पिछले साल के मुकाबले 35-40 फीसदी ज्यादा अस्थायी (फ्लेक्सी) कर्मचारियों को काम पर रखने जा रही हैं। लोग अब पारंपरिक रिटेल या ई-कॉमर्स की बजाय अपनी जरूरत के हिसाब से तुरंत डिलीवरी वाली सेवाओं को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे इस सेक्टर में बंपर रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

टेक्नोलॉजी के जानकारों की भारी डिमांडः इस बार की हायरिंग में सबसे खास बात यह है कि टेक-सैवी (तकनीक की अच्छी समझ रखने वाले) कर्मचारियों की मांग सबसे ज्यादा है। 10 से 15 मिनट की डिलीवरी के कड़े वादे को बिना किसी इंसानी चूक के पूरा करने के लिए कंपनियों को प्रशिक्षित लोगों की जरूरत है। इन कर्मचारियों को वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम ऑपरेटर्स, ऑटोमेटेड पिक-एंड-पैक सुपरवाइजर्स, इन्वेंट्री रिकॉन्सिलिएशन टेक्नीशियंस, आरएफआईडी और बारकोड स्कैनर स्पेशलिस्ट्स के साथ-साथ एआई सिस्टम को मैनेज करने जैसे महत्वपूर्ण रोल्स के लिए हायर किया जा रहा है। ये कर्मचारी गाड़ियों के रूट तय करने से लेकर काम बांटने तक की पूरी प्रक्रिया को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

3 लाख तक नई नौकरियों का अनुमान, बढ़ेगा वेतनः रिक्रूटमेंट और स्टाफिंग कंपनियों के अनुमान के मुताबिक, इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में क्विक कॉमर्स सेक्टर में 1 लाख से लेकर 3 लाख तक अस्थायी नौकरियां पैदा हो सकती हैं। रैंडस्टैड इंडिया और टीमलीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल कुल फेस्टिव फ्लेक्सी हायरिंग में क्विक कॉमर्स की हिस्सेदारी 16-18 फीसदी थी, जो इस साल बढ़कर 30 से 40 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। केवल नौकरियों की संख्या ही नहीं बढ़ रही है, बल्कि काम की जगह और लोकेशन के आधार पर कर्मचारियों के वेतन में भी 12 से 22 फीसदी तक की शानदार बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है।

तेजी से हो रहा डार्क स्टोर्स का विस्तारः अब कंपनियां केवल बड़े शहरों में ह्यलास्ट-माइल डिलीवरीह्न तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह विस्तार ज्यादा रणनीतिक और हाइपर-लोकल हो गया है। मौजूदा समय में क्विक कॉमर्स कंपनियां भारत के टियर-1 शहरों में लगभग 5,500 से 6,000 डार्क स्टोर चला रही हैं। अब इनका दायरा टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी तेजी से बढ़ रहा है। जानकारों का अनुमान है कि ग्राहकों की बढ़ती मांग और डिलीवरी लिस्ट के कवरेज एरिया को पूरा करने के लिए अगले 12 से 18 महीनों में 1,000 से 1,500 नए डार्क स्टोर और खोले जाएंगे।

एयर इंडिया की फ्लाइट में टर्बुलेंस के पीछे खुली तकनीकी खामियों की पोल, फ्रांस की टीमें भारत पहुंचकर करेंगी जांच

नई दिल्लीः फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में सफर कर रहे यात्रियों के लिए 4 अगस्त का दिन किसी भयानक सपने से कम नहीं था। इस उड़ान के दौरान हुए गंभीर टर्बुलेंस (हवा के तेज झटके) मामले में अब एक के बाद एक कई रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे हो रहे हैं। पहले एक पायलट के नशे में होने (डोप टेस्ट फेल) की सनसनीखेज खबर सामने आई और अब इस घटना में बड़ी तकनीकी खामियों की भी पुष्टि हुई है, जिसने हवा में सैकड़ों यात्रियों की जान सांसत में डाल दी थी।

अचानक 300 फीट नीचे गिरा विमान, 17 लोग हुए घायलः इस खौफनाक सफर के दौरान विमान ए-320 में तीन छोटे बच्चों समेत कुल 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर्स सवार थे। यात्रा के दौरान विमान को करीब पांच मिनट तक हवा के भीषण झटकों का सामना करना पड़ा और वह आसमान में अचानक 300 फीट नीचे आ गिरा। झटके इतने तेज थे कि केबिन के अंदर चीख-पुकार मच गई और एक छोटा बच्चा विमान के पिछले हिस्से की तरफ उछल गया। इस जानलेवा घटना में 13 यात्रियों और चालक दल के चार सदस्यों सहित कुल 17 लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें बाद में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

हाइड्रोलिक सिस्टम हुआ फेल, को-पायलट ने मैनुअल तरीके से बचाई जानः ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के पीछे केवल मौसम ही नहीं, बल्कि गंभीर तकनीकी खामियां भी जिम्मेदार थीं। उड़ान के दौरान विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम एक या दो नहीं, बल्कि तीन बार फेल हुआ और ऑटो पायलट सिस्टम भी डिस्कनेक्ट हो गया था। यहां तक कि विमान के कई इंडिकेटर स्विच भी कुछ समय के लिए बंद पड़ गए थे। ऐसे नाजुक वक्त में को-पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए मैनुअल तरीके से विमान का कंट्रोल संभाला और एक बड़े हादसे को टाल दिया।

फ्रांस की टीम करेगी जांच, पायलट के डोप टेस्ट फेल होने का दावः नगर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीर श्रेणी में रखा है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के साथ-साथ अब फ्रांस की एजेंसी बीईए और एयरबस की टीमें भी इस मामले की बारीकी से जांच करने भारत पहुंच रही हैं। दूसरी तरफ, यह दावा भी किया जा रहा है कि घटना के बाद दोनों पायलटों का पोस्ट-फ्लाइट ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था, जिसमें कथित तौर पर एक पायलट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि, एयर इंडिया ने अभी तक डोप टेस्ट फेल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। जांच टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि ऊंचाई कम होने, सिस्टम फेल होने और पायलट की स्थिति के बीच आखिर क्या संबंध था।

छात्रों पर फायरिंग की जिम्मेदारी तय करे केंद्र, हमें शाह का पर्सनल ओपिनियन नहीं सुनना, रखी तीन मांगे

नड्डा बोले, जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली, भ्रम फैला रहे राहुल गांधी

नई दिल्लीः जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और गोली चलाने की घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़े विपक्ष ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार छात्र आंदोलन में हुई हिंसा और पुलिस एक्शन पर चर्चा करने को

तैयार है और गृह मंत्री अमित शाह इस पर सदन में बोलेंगे, लेकिन विपक्ष को यह बयान सुनना होगा और सदन से भागना नहीं होगा। इस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि विपक्ष गृह मंत्री का कोई सामान्य भाषण सुनने का इच्छुक नहीं है। गृह मंत्री को यह स्पष्ट करना होगा कि 20 जुलाई को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज, कीलों वाले डंडों और पैलेट गन का इस्तेमाल करने का आदेश किसने दिया। अगर अमित शाह ने यह आदेश दिया था, तो वह दोषी हैं, और अगर उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी, तो वह अक्षम हैं। दोनों ही स्थितियों में उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि विपक्ष की मांग यह नहीं थी कि शाह सदन में आकर किसी भी सामान्य विषय पर बोलें, बल्कि उनसे यह स्पष्ट करने को कहा जा रहा है कि क्या उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था या नहीं। राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली, युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

दूसरी, प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी, राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो। राहुल गांधी ने आगे कहा कि अमित शाह में संसद में आकर हमारे सामने खड़े होने का साहस नहीं है। पिछले 15 दिनों में उन्होंने यही दिखाया है। न तो नरेंद्र मोदी और न ही अमित शाह में हिम्मत है कि वे संसद में हमारे सवालों का जवाब दे सकें। किसी को उनकी पर्सनल राय में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम बस यह जानना चाहते हैं कि गोली चलाने का आदेश किसने दिया और अगर उन्होंने नहीं दिया, तो गृह मंत्रालय में किसने दिया? हम समझना चाहते हैं कि क्या इसमें किसी की गलती है या अक्षमता है? राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक गृह मंत्री गोलीबारी की जिम्मेदारी तय नहीं करते, तब तक केवल सामान्य चर्चा स्वीकार्य नहीं होगी। उधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की प्रेस कान्फ्रेंस के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने ककहा कि राहुल अराजकता फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं। राहुल नहीं चाहते कि संसद चले। अब वह गोल पोस्ट चेंज कर रहे हैं। हम सदन में हर विषय पर जवाब देना चाहते हैं। राहुल का विपक्ष के नेता के रूप में गैर जिम्मेदराना व्यवहार रहता है। जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली, वह भ्रम फैला रहे हैं।

9 साल की बच्ची के साथ हैवानियत का वीडियो वायरल पुलिस ने आरोपी मुल्ला अंसारी को किया गिरफ्तार

पटनाः बिहार में सारण जिले के जनता बाजार थाना क्षेत्र में एक 9 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं। इस मामले में वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने आरोपी मुल्ला असांरी नाम के अधेड़ उम्र के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति ने कुछ दिन पहले एक 09 वर्षीय नाबालिग लड़की को चाकलेट देने के बहाने अपनी दुकान में बुला कर दुष्कर्म का प्रयास किया गया। इस घटना का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने तत्काल ही आरोपित व्यक्ति मुल्ला असांरी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध पास्को एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और पीड़ित नाबालिग लड़की को चिकित्सक के पास जांच के लिए भेज दिया है।

ट्रेनिंग के दौरान 27 साल के जवान की अचानक मौत, दौड़ते-दौड़ते जमीन पर गिरा और तोड़ दिया दम, कैंप में छाया मातम

पटनाः बिहार में गया जी जिले के बोधगया में प्रशिक्षण सत्र के दौरान बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) के 27 वर्षीय एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान खगड़िया निवासी निकेश कुमार के रूप में हुई है।

बोधगया थाने के प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय हुई, जब निकेश कुमार बोधगया स्थित बीएमपी शिविर में प्रशिक्षण ले रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, प्रशिक्षण के दौरान जवान अचानक जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। साथी जवान उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कुमार ने कहा, "प्रथम दृष्टया यह हृदयाघात का मामला प्रतीत होता है।" उन्होंने कहा कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। बीएमपी-3 के कमांडेंट उपेंद्र प्रसाद ने घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि निकेश कुमार के पहले से किसी बीमारी से पीड़ित होने की कोई जानकारी नहीं थी।

मंडी-पठानकोट से जल्द जुड़ेगा मटौर-शिमला फोरलेन लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह का खुलासा

नितिन गडकरी ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

शिमलाः हिमाचल की दो बड़ी फोरलेन परियोजनाएं आपस में जुड़ेगी। इसके लिए केंद्रीय सडक, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। दिल्ली दौरे के बाद लौटे लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने सोमवार को पत्रकारवार्ता के दौरान यह खुलासा किया है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष मंडी-पठानकोट फोरलेन सडक को मटौर-शिमला के साथ जोड? का मामला प्रमुखता के साथ रखा था, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-305 के तहत सैंज-लुहरी-बंजार-औट मार्ग पर बंजार से औट तक सडक के सुधार और टारिंग के लिए 25.11 करोड़ की राशि जारी करने के लिए मंजूरी प्रदान की है। वहीं, जलोड़ी सुरंग परियोजना की डीपीआर का मुद्दा भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा है।

उन्होंने कहा कि यह डीपीआर सडक, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पास विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि मंत्री के समक्ष 1,775 करोड़ रुपए की स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है। सज्ञथ ही कांगड़ा के राष्ट्रीय राजमार्ग 303 पर नगरोटा बगवां से रानीताल सडक के लिए 395 करोड़ रुपए प्रदान करने का भी आग्रह किया गया है।लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से सेतु बंधन परियोजना के तहत पुलों के निर्माण के लिए 3.46 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया है। इसके अलावा उन्होंने सीआरआईएफ के तहत सडक परियोजनाओं के लिए वार्षिक आबंन बढ़ाकर 200 करोड़ करने का आग्रह भी किया है। अनवांटेड कंट्रोवर्सी हैः मुख्यमंत्री के चंबा दौरे को लेकर भाजपा विधायक की टिप्पणी पर विक्रमादित्य सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघना चाहिए। बकौल विक्रमादित्य सिंह हमारा विरोध और वैचारिक मतभेद किसी से भी हो सकते है, लेकिन यह भी विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है कि बयान से किसी की गरिमा को ठेस ना पहुंचे। मैं समझता हूं कि यह अनवांटेड कंट्रोवर्सी है।

प्रियंका गांधी-वेणुगोपाल जल्द आएंगे हिमाचलः लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि जब भी वह दिल्ली दौरे पर जाते है तो अधिकारिक काम के साथ-साथ संगठन के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात करते है और प्रदेश में संगठन की गतिविधियों, सरकार की परफॉर्मेंस पर चर्चा करते है। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ मुलाकात की है। कुछ ही दिनों में दोनों वरिष्ठ नेताओं का हिमाचल आने का भी कार्यक्रम है।

न्यूज IN ब्रीफ

बुढ़वा महादेव मंदिर में हजारीबाग यूथ विंग ने की सेवा

हजारीबाग : सावन की दूसरी सोमवारी पर शहर के ऐतिहासिक बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग की ओर से एक सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं के बीच 51 लीटर दूध, बेलपत्र, अगरबत्ती और अन्य पूजन सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया।संस्था के सदस्यों ने मंदिर पहुंचने वाले भक्तों को जलार्पण और पूजा-अर्चना में पूरी सुविधा प्रदान की। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की मंगल कामना की। इस आयोजन में उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल, मार्गदर्शक संजय कुमार, विकाश केशरी, कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण सिंह, अनीता कुमारी, कैलाश कुमार और वर्षा डे सहित कई गणमान्य लोग सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

अलग अलग सड़क दुर्घटना में चार घायल, दो रेफर

बरही : बरही में हुई अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज किया गया। गंभीर रुप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर किया गया। घायलों में बबलू कुमार सिंह उम्र 35 वर्ष ग्राम रफीगंज औरंगाबाद, गया के रहने वाले कुंदन कुमार पिता उमाशंकर पासवान, मो रफीक अंसारी पिता मुस्तकीम अंसारी ग्राम चंदवारा और टिंकू कुमार पिता राजेंद्र प्रसाद ग्राम गूंजरा शामिल हैं। बबलू कुमार सिंह और कुंदन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया।

उत्तर प्रदेश के जनजातीय ग्राम में अपनी कला उकेरी

संवाददाता : पूरे देश में कला का सोहराय स्वरूप उकेरने वाले झारखंड के चिरुडीह गाँव के कलाकार इन दिनों उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक भील जनजाति के बीच उनके ग्राम को सोहराय से रंगने का कार्य कर रहे है।वही समाजसेवी सिद्धार्थ रॉय जो कि झारखंड के कलाकारों को एक नई दिशा दिखलाने के प्रयास में उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी है। झारखंड के चिरुडीह गाँव के कलाकारों में मनीष कुमार महतो, पुष्कर महतो,काजल कुमारी,अमृता कुमारी,सीता कुमारी, आशीष महतो,अजय करवा,रवि महतो,विक्रम महतो ने गाजीपुर के इस भील जनजाति के लोगों के ग्राम को रंगने का कार्य किया है

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने घेरा डीसी ऑफिस, सड़क जाम किया

जमशेदपुर : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा पूर्वी सिंहभूम ने डीसी ऑफिस का गेट बंद कर इसके आने जाने वाले रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया है। उन्होंने यह कदम आंदोलनकारियों को कथित रूप से अपमानित किए जाने के विरोध में किया है। उनका आरोप है कि जिले के एडीसी झारखंड आंदोलनकारी को अपमानित कर रहे हैं। मोर्चा के घेराव और सड़क जाम करने की वजह से यातायात बाधित हो गया है। किसी तरह सिर्फ एंबुलेंस को ही रास्ता दिया जा रहा है। बाकी वाहनों की दोनों ओर से आवाजाही बंद है। वाहनों को जुबली पार्क गोलचक्कर से घूम कर दूसरे रास्ते से निकलना पड़ रहा है। विषम परिस्थिति से निपटने के लिए कुछ पुलिसकर्मी पहुंचे हैं परंतु फिलहाल में मूक दर्शक बने हुए हैं।

जेएनएसी ने कराया कोर्ट परिसर में फॉगिंग

जमशेदपुर : मानसून में मच्छर से बचाव के लिए जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति ने सोमवार शाम कोर्ट परिसर में फॉगिंग कराया। इसके साथ ही कोर्ट परिसर की सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है इससे मच्छर का प्रकोप नहीं बढ़े। बताया जाता है कि कोर्ट परिसर की स्वच्छता को लेकर जिला बार संघ के महासचिव और अध्यक्ष लगातार जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र से संपर्क कर सफाई की मांग करते हैं। जिससे अधिवक्ताओं और दूरदराज से आने वाले मुवक्किलों को कोर्ट परिसर में स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो।

महाप्रबंधक ने सीएसआर योजनाओं का किया निरीक्षण

पंचेत : डीवीसी कोलकाता मुख्यालय के महाप्रबंधक (सीएसआर) बी जी होलकर ने डीवीसी पंचेत में चल रहे सीएसआर योजनाओं का निरीक्षण किया। सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का भी जायजा लिया और महिलाओं से बातचीत की। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की दिशा में पहल की सराहना की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक भी किया। खेल को बढ़ावा देने के लिए ग्राम प्रधानों के बीच फुटबॉल वितरण किया गया। मैनेजर (सीएसआर) कांता सोरेन ने कहा कि पंचायतों के इच्छुक खिलाड़ियों को भी फुटबॉल दिया जाएगा। मौके पर मैनेजर कांता सोरेन, मुखिया हीरामणि टुडू, पंसस नमिता महतो, सीमा सिंह, कमल मंडल, श्याम लाल आदि थे।

सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो में हीरक शाखा ने लहराया परचम

धनबाद : सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप में हीरक ब्रांच धनबाद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जिले का नाम रोशन किया है। प्रयागराज के गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में स्कूल के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदकों पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही विद्यालय ने अंडर-14 वर्ग में ओवरऑल रनर-अप की ट्रॉफी जीती। सोमवार को स्कूल में विजेता बच्चों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग में स्कूल की अंशिका सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। लक्ष्मी कुमारी (अंडर-19) और नायरा (अंडर-14) ने बेहतरीन दांव-पेच दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम किए। कांस्य पदक जीतने वालों में संजना कुमारी (अंडर-11), आरोही राय (अंडर-11), खुशी कुमारी (अंडर-14), श्रुति सेन (अंडर-14) तथा प्रिया कुमारी (अंडर-19) शामिल हैं। सभी ने अपनी-अपनी श्रेणी में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रभाष कुमार डोकानिया और सचिव आलोक चौधरी ने सभी विजेता छात्राओं को सम्मानित किया।

कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर पारदर्शिता बरतने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को आत्मा, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना, एग्री क्लीनिक योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (कृषोन्नति योजना) की जिला संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के प्रस्तावित एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कृषि योजनाओं का लाभ निर्धारित मापदंडों के अनुरूप वास्तविक एवं पात्र लाभुकों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने योजनाओं के तहत संचालित गतिविधियों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने तथा जिले में कृषि विकास को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को विभागीय दिशा-निर्देशों एवं वित्तीय नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, निर्धारित प्रक्रिया का पालन तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति पर लगातार निगरानी रखने तथा सभी आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों और पात्र लाभुकों तक पहुंच सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो, जिला मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो सहित संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य के 608 युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण देगा खादी आयोग

संवाददाता

धनबाद : झारखंड के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रांची ने पहल शुरू की है। आयोग की ओर से खादी विकास योजना और ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद लाभुकों को अनुदान पर मशीन और जरूरी उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए एनजीओ, सहकारी समितियों, ट्रस्ट और अर्द्धसरकारी संगठनों से आवेदन मांगे गए हैं। आयोग का लक्ष्य 608 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ना है। योजना के तहत युवाओं को स्थानीय संसाधन और बाजार की मांग के अनुरूप विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मधुमक्खी पालन, इमली प्रसंस्करण, पॉपकॉर्न निर्माण, कुंभकारी, पेपर-पत्ता प्लेट व दोना निर्माण, सबाई घास से रस्सी निर्माण, एसी और मोबाइल मरम्मत, सिलाई तथा लेदर के जूता-चप्पल निर्माण एवं मरम्मत का प्रशिक्षण शामिल है। प्रशिक्षण के बाद लाभुकों को व्यवसाय शुरू करने के लिए जरूरी टूलकिट और उपकरण उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था है। मधुमक्खी पालन के लिए 60, इमली प्रसंस्करण के लिए 100, पॉपकॉर्न निर्माण के लिए 40 और कुंभकारी के लिए 140 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा। इसी तरह पेपर प्लेट, दोना निर्माण और सबाई घास से रस्सी बनाने के लिए 40-40 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। एसी मरम्मत, मोबाइल मरम्मत और सिलाई के लिए 20-20 प्रशिक्षणार्थियों का चयन होगा। लेदर के जूता-चप्पल निर्माण के लिए 20 और इसकी मरम्मत के लिए अनुसूचित जनजाति श्रेणी के 28 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने का प्रावधान है। योजना के तहत लाभुकों को औजार और उपकरण उपलब्ध कराने में अनुदान भी दिया जाएगा।

धैया में वन विभाग की 1.15 एकड़ जमीन पर कब्जा, रद्द होगी जमाबंदी

संवाददाता

धनबाद : वन विभाग की करोड़ों की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। मामला धनबाद अंचल के धैया मौजा से जुड़ा है। धैया मौजा के खाता संख्या 196, प्लॉट। संख्या 67/440 कुल रकवा 1।15 एकड़ जमीन पर केशव मोची एवं वंशज का दावा है। जमीन पर कुछ निर्माण भी कराया गया है। वन विभाग की ओर से इस जमीन पर दावा किए जाने के बाद जांच शुरू हुई तो मामला पकड़ में आया। इस संबंध में धनबाद के सीओ रामप्रवेश सिंह ने डीसी को जांच रिपोर्ट सौंपी है। वन विभाग के पत्र के आधार पर सीओ से जमीन के संबंध में जिला प्रशासन ने चार बिंदुओं पर रिपोर्ट सौंपने को कहा था। सीओ ने अपनी रिपोर्ट में संबंधित जमीन की जमाबंदी रद्द करने की कार्रवाई शुरू करने की भी अनुशंसा की है। सीओ की रिपोर्ट के मुताबिक जमीन के लिए जारी हुकुमनामा भी संदिग्ध है। जमाबंदी (दाखिल -खारिज से संबंधित दस्तावेज) को भी सीओ ने संदिग्ध माना है। इसके लिए सीओ ने अंचल में मौजूद कई दस्तावेज का हवाला दिया। सीओ की रिपोर्ट के मुताबिक प्लॉट नंबर 67/440 का जिक्र उक्त खाता संख्या में नहीं। सीओ की रिपोर्ट में बताया गया है कि धैया मौजा के नक्शे में प्लॉट नंबर 67/440 दर्ज नहीं है। सीओ की रिपोर्ट के अनुसार अंचल कार्यालय में मौजूद गैर आबाद खाते की रजिस्टर (गैर आबाद पंजी) में भी यह प्लॉट नंबर दर्ज नहीं है।

सीओ ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि 23 सितंबर 1964 को प्रकाशित कि द बिहार गजट एक्स्ट्रा ऑडिनेरी नोटिफिकेशन में धैया मौजा नंबर 06, गत खाता संख्या 196, प्लॉट नंबर 67 में इसे वन विभाग की अधिसूचित भूमि बताया गया है। इस नोटिफिकेशन के आधार पर वन विभाग ने इस जमीन पर अपना दावा किया है। सीओ ने रिपोर्ट में लिखा है कि डीसी कार्यालय से निर्गत हुकुमनामा केस नंबर 2, 1955-56 में दर्ज खाता संख्या 196, प्लॉट संख्या 67/4440, रकवा 1.15 एकड़ जमीन का उल्लेख है।

आन्दोलनकारी छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज अश्रुगैस व वाटर कैनन का प्रयोग निंदनीय : मंच

संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि जेपीएससी,जेएसएससी व सीजीएल परीक्षाओं में भीषण धांधली की सीबीआई जांच कर रद्द करने आदि मांगों पर आन्दोलन कारी छात्रों पर हैमन्त सरकार की पुलिस द्वारा बर्बर लाठीचार्ज, अश्रुगैस के गोले दागने व वाटर कैनन के प्रयोग की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि केन्द्र में चाहे एन०डी०ए० की मोदी सरकार हो अथवा झारखण्ड में इंडिया गठबंधन की हेमन्त सरकार हो आन्दोलनकारी छात्रों व नौजवानों पर अमानुषिक दमन व अलोकतांत्रिक दमन के मामले में उनकी भूमिका अतिशय निंदनीय है।

जारी बयान में उन्होंने कहा है कि अपने जन्मदिन पर भीषण लाठीचार्ज की सौगात भेंटकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी ने सिद्ध कर दिया कि उनकी सहानुभूति फ्री और फेयर तरीके से जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल आदि परीक्षाओं में पारदर्शितापूर्ण न्युक्तियों की मांग कर रहे झारखण्डी छात्रों के साथ नहीं है।

बयान में जेकेएम अध्यक्ष ने कहा है कि जेपीएससी के निवर्तमान अध्यक्ष व राज्य के वरिष्ठ नौकरशाह एल०ख्यांगते की सीआईडी द्वारा गिरफ्तारी जेपीएससी परीक्षाओं में भीषणतम धांधली का संकेत है।इस संदर्भ में जेपीएससी के सदस्य डा०अनिमा हांसदा,अजिता भट्टाचार्य व डा०जमाल अहमद से सिर्फ इस्तीफा लेने के बदले उनके उपर एफ०आई०आर० दर्ज कर गिरफ्तारी होनी चाहिए, लेकिन हेमन्त सरकार ₹ कड़वा-कड़वा तू और मीठा-मीठा गप्प ₹ के कहावत को चरितार्थ कर रही है,जो निंदनीय है। झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि अगर इस आन्दोलन को आक्रामक व हिंसक बनाने में संघ व भाजपा से जुड़े उपद्रवियों ने भूमिका निभाई तो इससे पूर्व सरकार ने क्यों नहीं छात्रों की मांगों को मानकर अवांछित स्थिति पैदा होने से रोका?अगर यही स्थिति जारी रही तो फिर हेमन्त सोरेन जी को भी इस्तीफा देना लाजिमी होगा?

बयान के अंत में आज 11 अगस्त को भाजपा द्वारा झारखण्ड बंद की घोषणा की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा है कि जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिल्ली पुलिस ने बर्बरतम,क्रुरतम व अलोकतांत्रिक दमन किया था,तो संघी/हुड़दंगी कहां सोये हुए थे? क्या आज का झारखण्ड बंद आग लगाकर तापने का भाजपाई प्रहसन नहीं है?

धनबाद में साइबर ठगी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

धनबाद : साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। चिरकुंडा थाना क्षेत्र से संचालित फर्जी सिम के नेटवर्क की जांच करते हुए पुलिस ने साइबर ठगी से जुड़े एक गिरोह का पदार्फाश किया है। कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कानून का उल्लंघन करने वाले एक नाबालिग को निरूद्ध किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह वउड बैंक (वल्लश्ञी उ्ङ्गेीश्रू' इंल्ल') के ग्राहकों को ङउ अपडेट करने और बैंक खाता बंद होने का डर दिखाकर उनके मोबाइल पर आने वाला डळढ हासिल करता था। डळढ मिलते ही खातों से रकम निकालकर वॉलेट में ट्रांसफर की जाती और बाद में गिरोह के सदस्य रकम आपस में बांट लेते थे।

दूरसंचार विभाग से मिली थी जानकारी

ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि दूरसंचार विभाग से मिली जानकारी के आधार पर चिरकुंडा थाना क्षेत्र की एक दुकान से जारी सिम कार्ड की जांच शुरू की गई।

पुलिस के मुताबिक, 1 जनवरी से 29 मई 2026 के बीच चिरकुंडा स्थित मुकेश स्टोर से कुल 64 संदिग्ध सिम कार्ड जारी किए गए, इनमें से 27 सिम कार्ड ऐसे पाए गए, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों में सामने आया था। इन शिकायतों की जानकारी ठउफ्ढ पोर्टल पर भी दर्ज थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर निरसा लिलेश्वर महतो के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने सबसे पहले चिरकुंडा में क्धक्धक बैंक के समीप स्थित मुकेश स्टोर पर दबिश दी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही दुकान बंद मिली। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ और तकनीकी जांच के जरिए पुलिस दुकान संचालक मुकेश राय तक पहुंचने की कोशिश में जुटी। जांच के दौरान पुलिस को चिरकुंडा के लायकडीह निवासी आयुष सिंह के बारे में जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार आयुष अपने पहचान पत्र का इस्तेमाल कर अलग-अलग सिम कार्ड हासिल करता था। बाद में इन सिम कार्ड को साइबर अपराधियों को अधिक कीमत पर बेच दिया जाता था। पूछताछ में आयुष ने पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने निरसा थाना क्षेत्र के मुगमा में छापेमारी कर प्रेम रविदास, बिनोद रविदास और गुलाब रविदास समेत अन्य आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक प्रेम रविदास गिरोह का मुख्य सरगना है। जांच में साइबर ठगी का तरीका भी सामने आया है, पुलिस के अनुसार आरोपी मोबाइल फोन के जरिए वउड ढं२रुङ्क' और वउड रीू४१ जैसे ऐप का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद बैंक ग्राहकों को फोन कर कभी ङउ अपडेट कराने तो कभी बैंक खाता बंद होने का डर दिखाया जाता था। झांसे में आने वाले ग्राहकों से उनके मोबाइल पर आया डळढ हासिल कर लिया जाता था।

छात्रों की मांग पर सीबीआई जांच कराए सरकार : कुलवंत

संवाददाता

जमशेदपुर : भाजपा द्वारा आहूत झारखंड बंद को सफल बताते हुए पूर्व खादी बोर्ड सदस्य एवं भाजपा नेता कुलवंत सिंह बंटी ने कहा कि बंद के दौरान आम जनता और दुकानदारों ने दुकानें बंद रखकर छात्रों के आंदोलन और उनकी मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े विवादों को लेकर आंदोलनरत छात्रों की आवाज दबाने के बजाय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बंटी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि निष्पक्ष जांच से परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा कि युवा झारखंड की ताकत हैं और उनकी आवाज को लाठी या दमन से नहीं दबाया जा सकता। सरकार को छात्रों के हित में तत्काल निर्णय लेना चाहिए।बमामाईंस मंडल में मंडल अध्यक्ष रितेश झा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने बंद को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। बंटी ने बंद में सहयोग करने वाले कार्यकताओं, नागरिकों और दुकानदारों के प्रति आभार जताया। मौके पर राजेश सिंह, सतवीर सिंह, दीपक झा, सौरभ श्रीवास्तव और सागर गुप्ता समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मधुसूदन विद्यालय में संस्थापक श्याम सुंदर महतो की प्रथम पुण्यतिथि मनी

लोगों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

चक्रधरपुर : मधुसूदन विद्यालय, आसनतलिया, चक्रधरपुर में विद्यालय के संस्थापक सह पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय श्याम सुंदर महतो की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया।

श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ स्वर्गीय श्याम सुंदर महतो की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात ह्यबड़ी मैमह्ल द्रौपदी महतो ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर परिवार के सदस्य लक्ष्मण महतो, लखी देवी, प्रभात कुमार महतो, रंगलाता महतो, कमलेश महतो, यशोदा महतो, बी.के. हिंदवार, आरती कोड़वार, नृपेंद्र महतो, संगीता महतो, कौशल हिंदवार, ईला महतो, जीवेश कुमार हिंदवार, निशा महतो तथा विधि, रिधि, मयंक, वैभव और वाणी ने भी स्वर्गीय एस.एस. महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

वहीं, मधुसूदन मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर सच्चिदानंद राम, सचिव लक्ष्मण महतो, सह-सचिव गणेश्वर महतो एवं कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश महतो तथा सरस्वती देवी मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट के चेयरमैन बलराज कुमार हिंदवार, सचिव डॉक्टर सच्चिदानंद राम, कोषाध्यक्ष यशोदा महतो एवं सदस्यगण शंकर लाल महतो, धारित्री महतो तथा शिवचरण महतो ने भी स्वर्गीय एस.एस. महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के चेयरमैन बी.के. हिंदवार, प्राचार्य के. नागराजू, प्रशांत कुमार तिवारी, उप-प्राचार्य वसंत कुमार महतो, उप-प्राचार्या आरती कोड़वार, परीक्षा नियंत्रक दिनेश कुमार चक्रवर्ती, जगदीश जामुदा सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी स्वर्गीय एस.एस. महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सोसाइटी के सचिव लक्ष्मण महतो ने स्वर्गीय एस.एस. महतो के साथ बिताए पलों को स्मरण करते हुए कहा कि सभी को उनके बताए मार्ग पर सदैव चलते रहना चाहिए, ताकि मधुसूदन संस्था निरंतर प्रगति करते हुए उत्कृष्टता के सर्वोच्च स्तर पर बनी रहे।

उप-प्राचार्य वसंत कुमार महतो ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय एस.एस. महतो द्वारा गढ़ी गई मधुसूदन संस्था को आगे ले जाना सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व भी है।

इस अवसर पर स्वर्गीय एस.एस. महतो के पूर्व शिष्य जेनाराम पूर्ति ने भी उन्हें अपने जीवन का मार्गदर्शक बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय महतो के आदर्श, विचार और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उन्होंने स्वर्गीय श्याम सुंदर महतो को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय श्याम सुंदर महतो के शिक्षा, समाज और संस्था के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।